राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 23 जून 2024 वर्ष–7,अंक–150 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

प्रधानमंत्री मोदी और हसीना ने व्यापार और संपर्क सहित कई मुददों पर की चर्चा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ शनिवार को व्यापार और संपर्क सहित विविध क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने को लेकर चर्चा की। बांग्लादेश की पीएम शुक्रवार से दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। लोकसभा चुनाव के बाद भारत में नई सरकार के गठन के बाद, किसी विदेशी नेता की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लिखा,'' प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता से पहले हैदराबाद हाउस में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा, दोनों नेता 2019 से 10 बार मुलाकात कर चुके हैं, जिससे रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव आया है। इसके पहले प्रधानमंत्री हसीना ने सुबह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री के साथ वार्ता से पहले हसीना का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में रस्मी स्वागत किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मोदी-हसीना वार्ता का मुख्य उद्देश्य व्यापार, संपर्क और ऊर्जा के क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान करना है। हसीना भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के उन सात शीर्ष नेताओं में शामिल थीं, जो नौ जून को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। पिछले कुछ वर्षों में भारत और बांग्लादेश के बीच समग्र सामरिक संबंध तेजी से बढ़े हैं।

वायएसआरसीपी के कार्यालय पर चला बुलडोजर.....प्रतिशोध की राजनीति कर रहे नायडू

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश में सत्ता बदल चुकी है। पूर्व मुख्मंत्री जगन मोहन रेड्डी अब सत्ता से बाहर हो चुके हैं। अब तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू सत्ता में आ चुके हैं। आंध्र प्रदेश में सत्ता बदलने के साथ ही प्रतिशोध की राजनीति जारी है। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वायएसआरसीपी) का कार्यालय शनिवार सुबह विजयवाड़ा के ताडेपल्ले जिले में ध्वस्त किया गया। ऑफिस को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर का सहारा लिया गया। वायएसआरसीपी ने बुलडोजर एक्शन को प्रतिशोध की राजनीति करार दिया है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देकर वायएसआरसीपी ने कहा कि यह 'प्रतिशोध की राजनीति की शुरुआत' है। रिपोर्ट के अनुसार, यह इमारत गुंटूर जिले के ताड़ेपल्ली मंडल के सीतानगरम के बोट यार्ड परिसर में आर.एस. संख्या 202-ए-1 में 870.40 वर्ग मीटर की कथित रूप से अवैध रूप से कब्जा की गई भूमि पर थी। इसके पहले वायएसआरसीपी ने हाईकोर्ट का दरवाया खटखटाया है, इसके बावजूद ऑफिस को गिरा दिया गया। अदालत ने किसी भी विध्वंस गतिविधि को रोकने का आदेश दिया था। यह अभूतपूर्व कार्रवाई, राज्य के इतिहास में किसी पार्टी कार्यालय को ध्वस्त करने की पहली घटना, सुबह 5-30 बजे उत्खनन मशीनों और बुलडोजरों का उपयोग करके शुरू की गई। दरअसल 19 नवंबर 2021 को विधानसभा सत्र के दौरान तीखी बहस और वायएसआरसीपी कांग्रेस के नेताओं द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद नायडू सदन से बाहर चले गए थे। तब नायडू ने कसम खाई थी कि जब तक मैं सत्ता में वापस नहीं आ जाता, तब तक मैं सदन से दूर रहूंगा। इस दौरान वह काफी भावुक भी हो गए थे। उन्हें फूट-फूटकर रोते हुए भी देखा गया था।

केदारनाथ में छह हेली कंपनियों ने की अपनी सेवाएं बंद

-बारिश के मौसम मे दो ही हेली कंपनी कराएंगी यात्रियों को दर्शन

रुद्रप्रयाग। केंद्र सरकार द्वारा शुरु की गई केदारनाथ के लिए हवाई सेवा दे रही छह हेली कंपनी यात्रा के पहला चरण खत्म होने से पहले ही बारिश के मौसम को देखते हुए वापस दिल्ली लौट गई हैं। कंपनियों के लौटने की वजह तीर्थ यात्रियों की संख्या में आई कमी भी है। बारिश के मौसम में केदारघाटी हेली हवाई यात्रा के लिहाज से काफी खतरनाक है। अब बारिश में दो हेली कंपनी ही केदारधाम के लिए अपनी सेवाएं देंगी। इस साल अब तक 56,110 तीर्थयात्री हेलीकाप्टर से बाबा केदारनाथ के दर्शन करने पहुंचे हैं। आमतौर पर चारधाम यात्रा दो चरणों में की जाती है। प्रथम चरण यात्रा शुरू होने से जून के आखिर तक और दूसरा चरण बारिश के खत्म होने के बाद सितंबर के पहले या दूसरे सप्ताह से कपाट बंद होने तक चलता है। अभी जून माह खत्म होने में एक सप्ताह से ज्यादा समय बाकी है, लेकिन आर्यन, पवन हंस, क्रेस्टल, थुम्बी, ग्लोबल वेक्ट्रा और ऐरो हेलीकाप्टर कंपनी ने शुक्रवार से ही अपनी सेवाएं बंद कर दी हैं। हेलीकाप्टर सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि ट्रांसभारत और हिमालय हेली बारिश के मौसम में भी सेवाएं देती रहेंगी। नोडल अधिकारी ने बताया कि इस साल अब तक केदारनाथ धाम के लिए 10,027 उड़ानें संचालित की गई हैं। हेली सेवा की शुरुआत कपाट खुलने वाले दिन यानी 10 मई से हो गई थी और रोज औसतन 1,500 तीर्थयात्री हेली सेवा से धाम पहुंचे और केदारनाथ धाम के दर्शन किए।

रुसी राष्ट्रपति पुतिन के वियतनाम दौरे ने बढ़ाई अमेरिका की टेंशन

अमेरिका ने वियतनाम की जंग में लाखों लोगों की चढ़ा दी थी बली

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

द्वितीय विश्वयुद्ध से फ्रांस तकरीबन दिवालिया हो गया था और इंडोचाइना क्षेत्र में अपने उपनिवेश को बचा नहीं सका था। 1954 के जिनेवा सम्मेलन के साथ फ्रांसीसी उपनिवेश रहे वियतनाम को आजादी मिली। आजादी से पहले वियतनाम को दो हिस्सों में बांटा गया था। उत्तरी और दक्षिणी वियतनाम। यहीं से अमेरिका की वियतनाम युद्ध में फंसने की शुरूआत हुई। कम्युनिस्टों के संगठन वियत मिन्ह ने उत्तरी वियतनाम पर नियंत्रण कर लिया, जब अमेरिका ने दक्षिण वियतनाम के लिए वित्तीय और सैन्य मदद देनी शुरू की। पूरा वियतनाम और आसपास के देश साम्यवादी न हो जाएं इसके डर ने संघर्ष को जारी रखा और इस डर से अमेरिका एक ऐसे युद्ध में फंस गया जो एक दशक तक चला और लाखों लोग मारे गए।

हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के वियतनाम दौरे के बाद वियतनाम की जंग की कहानियां सामने आई और यह अटकलें लगने लगीं कि पुतिन की यह पहल एक और शीतयुद्ध की शुरुआत तो नहीं है। वियतनाम की उस खौफनाक जंग जिसे जीतने के लिए अमेरिका सबकुछ हार गया था। वियतनाम युद्ध एक नवंबर 1955 से 30 अप्रैल 1975 तक चला था। इस जंग का समापन तब हुआ, जब अमेरिका समर्थित दक्षिण वियतनाम की राजधानी साइगॉन पर उत्तरी वियतनाम के गुरिल्ला लड़ाकों के संगठन वियत कॉन ने कब्जा कर लिया।

असल में वियतनाम जंग वियतनाम, लाओस और कंबोडिया की बीच चली लंबी लड़ाई थी। इसे इंडोचीन युद्धों में से दूसरा और शीत युद्ध का एक प्रमुख संघर्ष माना जाता है। आधिकारिक तौर पर यह युद्ध उत्तरी वियतनाम और दक्षिण वियतनाम के बीच लड़ा गया। वियतनाम युद्ध तो उत्तर और दक्षिण वियतनाम के बीच लड़ा गया था, जिसमें उत्तर को सोवियत संघ, चीन और अन्य कम्युनिस्ट देशों का समर्थन मिला हुआ था। वहीं, दक्षिण वियतनाम को अमेरिका और कम्युनिस्ट विरोधी सहयोगियों का समर्थन मिला था। यह लड़ाई दरअसल अमेरिका और सोवियत संघ के बीच एक छद्म युद्ध के रूप में लड़ी गई थी। 20 साल तक चली यह लड़ाई 1975 में लाओस, कंबोडिया और वियतनाम के बनने के साथ ही खत्म हो गई। यह एक तरह से सोवियत रूस की जीत थी, क्योंकि तीनों देशों में कम्युनिस्ट शासन था।

अगस्त 1964 की शुरुआत में जब उत्तरी वियतनाम के गुरिल्ला युद्ध में माहिर वियत कॉन्ग यानी वियतनामी लड़ाकों ने उत्तरी वियतनाम के तट के पास टोंकिन की खाड़ी में अमेरिकी जंगी जहाजों पर हमला किया तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉनसन ने उत्तरी वियतनामी नौसैनिक अड्डों पर जवाबी हमला करवाया। फरवरी 1965 में गुरिल्ला लड़ाकों को मारने के लिए अमेरिका ने ऑपरेशन रोलिंग थंडर चलाया, जिसमें वियतनामी गुरिल्लाओं पर जमकर बमबारी की गई। 1967 के आखिर तक करीब 500 अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने की खबरें आईं। अमेरिकी सरकार युद्ध पर पानी की तरह पैसे बहा रही थी। जॉनसन ने जो ग्रेट सोसाइटी प्रोग्राम चलाए थे, उन्हें पैसे मिलने बंद हो गए। महंगाई की रफ्तार बढ़ रही थी। ऐसे में 1965 से यूनिवर्सिटी से शुरू हुआ छात्रों का एंटी वियतनाम आंदोलन और बढ़ता गया। पूरे अमेरिका में छात्र सड़कों पर उतर आए थे। हर कोई वियतनाम जंग का जल्द समाधान चाहता था।

देर से दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों पर होगी सख्त कार्रवाई,

केंद्र ने आने का समय किया निर्धारित

नई दिल्ली। (एजेंसी)

देर से दफ्तर आने वाले कर्मचारियों पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कस दिया है। कोरोना काल में बद हुई बायोमेट्रिक मशीनों पर फिर से उपस्थिति दर्ज करने को कहा गया है। साथ ही यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि सवा 9 बजे से ज्यादा लेट हुए तो आधे दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा। देश भर के कर्मचारियों को सुबह 9.15 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होने और अपनी हाजिरी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी कर्मचारियों को बायोमेट्रिक सिस्टम का उपयोग करने के लिए भी कहा गया है। आपको बता दें कि कोरोना संक्रमण के बाद इसका इस्तेमाल बंद कर दिया गया था। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने अधिकतम 15 मिनट की देरी को माफ करने का फैसला किया है। कर्मचारियों को आगाह किया गया है कि अगर वे सुबह 9.15 बजे तक ऑफिस नहीं आते हैं तो उनका आधा दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों के लिए जारी आदेश में कहा गया है, किसी भी कारण से यदि कर्मचारी किसी विशेष दिन कार्यालय में उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो उन्हें इसकी सूचना देनी होगी। आकस्मिक अवकाश के लिए आवेदन करना होगा।केंद्र सरकार के कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक खुले रहते हैं, लेकिन जूनियर स्तर के कर्मचारियों का देर से आना और जल्दी चले जाना सामान्य बात है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ऑफिस कोई निश्चित समय नहीं है। हम काम घर भी ले जाते हैं। वे आमतौर पर शाम 7 बजे के बाद निकलते हैं। इसके अलावा उनका तर्क है कि कोविड के बाद इलेक्ट्रॉनिक फाइलों पर अक्सर छुट्टियों या वीकेंड में घर से काम करते हैं। 2014 में सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने कार्यालय के समय को लागू करने को कहा था। कर्मचारियों ने इसका विरोध किया था। कुछ ने तर्क दिया था कि वे लंबी दूरी की यात्रा करते हैं। अधिकारी और कर्मचारी समय पर ऑफिस आएं इसके लिए आधार वाली बायोमेट्रिक सिस्टम लगाई गई थी।

छात्रों से राहुल गांधी ने कहा मैं आपके साथ.....नीट का मुद्दा संसद में उठाऊंगा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-स्नातक में कथित अनियमितताओं से जुड़े विवाद के बीच कहा है कि वह संसद के आगामी सत्र में इस विषय को व्यक्तिगत रूप से उठाएंगे। उन्होंने नीट परीक्षा के कुछ अभ्यार्थियों के साथ बातचीत से संबंधित वीडियो में यह टिप्पणी की।

राहुल गांधी ने अभ्यर्थियों से मुलाकात के वीडियो के साथ पोस्ट में कहा, नीट देने वाले हज़ारों छात्र अपने परिवारों के साथ भयंकर गर्मी में सड़क पर हैं, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप-चाप तमाशा देख रहे हैं। उन्हें भरोसा दिलाता हूं कि संघर्ष में सड़क से लेकर संसद तक इंडिया आपके साथ है। उन्होंने में कहा, अगर सरकार आपकी (छात्र) रक्षा नहीं कर सकती, तब विपक्ष आपकी रक्षा करेगा। मैं व्यक्तिगत रूप से यह मुद्दा संसद में उठाऊंगा और सरकार पर पूरा दबाव डालने का काम करुंगा। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पोस्ट किया, भाजपा राज में शिक्षा माफिया को भ्रष्टाचार की खुली छूट है। 7 वर्षों में 70 पेपर लीक हुए हैं और 2 करोड़ युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हुआ है।

नीट मामले के बीच शिक्षा मंत्रालय ने बनाई हाई लेवल कमेटी

-इसरो के पूर्व अध्यक्ष की अध्यक्षता में कमेटी देगी दो महीने में रिपोर्ट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

नीट मामले को लेकर चहुंओर से घिरी सरकार अब एक्शन मोड में आ गई है। दरअसल शिक्षा मंत्रालय ने एक हाई लेवल कमेटी का गठन कर दिया है। इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ के राधाकृष्णन इस कमेटी के अध्यक्ष बनाए गए हैं। यह कमेटी दो महीने में मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपेगी। कमेटी बनाए जाने को लेकर कहा गया है कि शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षाओं का पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। नीट मामले को लेकर चहुंओर से घिरी मोदी सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने समिति गठित की है, जिससे परीक्षा प्रक्रिया के तंत्र में सुधार, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार और एनटीए की संरचना और कार्यप्रणाली पर सिफारिशें मंत्रालय को दे सके। इस मामले में समिति 2 माह में मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। शिक्षा मंत्रालय की ओर बनाई गई उच्च स्तरीय कमेटी में इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में छह सदस्य कार्य करेंगे। इन सदस्यों में एम्स दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया भी शामिल हैं। हैदराबाद केंद्रीय यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर बी.जे. राव, आईआईटी मद्रास सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एमेरिटस प्रो. राममूर्ति, पंकज बंसल, सह-संस्थापक, पीपल स्ट्रॉन्ग और बोर्ड सदस्य- कर्मयोगी भारत को भी समिति में शामिल किया गया है। इनके अतिरिक्त प्रो. आदित्य मित्तल, डीन स्टूडेंट अफेयर्स, आईआईटी दिल्ली को भी समिति में बतौर सदस्य रखा गया है। वहीं शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव गोविंद जायसवाल सदस्य सचिव के रुप में शामिल किए गए हैं।

बिहार में ताश के पत्तों की तरह ढह रहे पुल.....अररिया के बाद सीवन

पटना ।(एजेंसी)

बिहार में पुल गिरना एक आम चर्चा का विषय हो गया है। बिहार के अररिया जिले में 4 दिन पहले ही करोड़ों की लागत से बन रहा पुल गिर गया था। अब सीवान जिले में गंडक नहर पर बना पुल अचानक टूट गया है। मिली जानकारी के अनुसार सीवान के दरौंदा प्रखंड के रामगढ़ा पंचायत में पिलर धंसते ही पुल धड़ाम से गिर गया। पुल गिरने से अचानक आई तेज आवाज से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुल गिराने की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बता दें, यह पुल यह महाराजगंज प्रखंड के पटेढी बाजार और दरौंदा प्रखंड के रामगढ़ पंचायत को जोड़ती थी। पुल टूटने से आवागमन बाधित हो चुका है। इसका असर हजारों राहगीरों पर पड़ेगा। लोगों ने बताया कि यह पुल आज सुबह गिर गया है। लेकिन, ईश्वर की कृपा से कोई हताहत नहीं हुआ। लोगों ने बताया कि पुल का निर्माण करीब 40-45 वर्ष पहले हुआ था। पुल का निर्माण लोगों ने चंदा करके बनवाया था। बाद में कुछ सरकारी सहयोग मिला। लोगों का कहना है कि सरकार से हमारी मांग है जल्दी पुल को ठीक करवा दें ताकि जो आवागमन बाधित हो गया है, वहां चालू हो सके। बता दें, 3 दिन पहले ही बिहार में करोड़ों की लागत से बना पड़रिया घाट पुल ध्वस्त हो गया था। लोगों के अनुसार पुल के एप्रोच रोड को बनाने और शुरू करने की तैयारी की जा रही थी कि तभी यह हादसा हो गया था। यह पुल बेहद अहम था के योंकि इस रास्ते पर बने पुराने पुल की हालत पहले ही बहुत खराब थी और वह रास्ते से कट चुका है। लेकिन, उद्घाटन से पहले ही पुल टूट जाने से कई ग्रामीण कार्य विभाग पर सवाल उठने लगे हैं।

लोगों की सेहत से खिलवाड़: डीमार्ट और आईपरमार्ट सुपरमार्केट में मिला नकली घी और तेल

-सप्लाई करने वाली फर्मो को किया सीज, फर्मो के मालिक फरार

जयपुर। (एजेंसी)

नकली सामान और मिलावटी चीजों को लेकर सरकार हमेशा लोगों को चेताती रहती है और कई संस्थानों पर छापे मारकर सामान जब्त कर जुर्माना भी लगाती है लेकिन इसके बावजूद नकली और मिलावटी का कारोबार दिन ब दिन बढ़ाता ही जा रहा है जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रहा है इससे लोग कैंसर जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं।

यह तो हम आम दुकानों पर मिलने वाले सामान की बात कर रहे हैं वहीं लोग मॉल से सामान लेना अपनी शान समझते हैं लेकिन अब आप डीमार्ट और आईपरमार्ट जैसी नामी रिटेल कंपनियों के आउटलेट में शॉपिंग कर रहे हैं तो होशियार हो जाएं क्योंकि इन ब्रांडेड रिटेल कंपनियों के आउटलेट में भी शुद्ध और असली माल मिलने की गारंटी नहीं है। ऐसा ही एक मामला राजस्थान के जयपुर स्थित डी-मार्ट और आईपरमार्ट के आउटलेट्स का सामने आया है जहां भारी मात्रा में नकली घी और तेल जब्त किया गया है। खाद्य विभाग की टीम पिछले दो दिन से डीमार्ट और आईपरमार्ट के आउटलेट पर कार्रवाई कर रही है। सरस घी जो एक सरकारी ब्रांड है लेकिन इसी ब्रांड का नकली घी डीमार्ट आउटलेट पर बेचा जा रहा था। डी-मार्ट के आउटलेट पर नकली सरस घी मिला। वहीं जयपुर के सिरसी रोड स्थित आईपरमार्ट पर भी टैगोर ब्रांड का नकली घी मिला है। जयपुर शहर के अलग अलग इलाकों में डी-मार्ट के आधा दर्जन से ज्यादा आउटलेट हैं। इन आउटलेट्स पर अनाधिकृत फर्म से सरस ब्रांड का घी सप्लाई होता है। आरसीडीएफ की सीएमडी सुषमा अरोड़ा ने बताया कि डीमार्ट को कूकरखेड़ा के गोदारा मार्केट में स्थित खंडेलवाल एंड कंपनी सरस घी सप्लाई होता है। इस फर्म का संचालक आशीष खंडेलवाल कूकरखेड़ा मंडी के अनुज ट्रेनिंग कंपनी से घी खरीद कर डी-मार्ट में सप्लाई करता था।

ये दोनों ही फर्म सरस डेयरी के अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर नहीं है। कार्रवाई के बाद दोनों फर्मों को सीज कर दिया गया है और दोनों फर्मों के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों फर्मों के मालिक फरार हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये दोनों फर्म नकली घी कहां कहां सप्लाई करते थे।

नकली तेल की शिकायत मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से कार्रवाई की जा रही है। अब तक 46 हजार लीटर नकली तेल सीज किया जा चुका है। यह तेल टैगोर ब्रांड का है जो एक नामी कंपनी है। मिलावटखोरी करने वाले माफियाओं ने नकली प्रोडक्ट निकाल कर मार्केट में सप्लाई कर दिया। सरकारी ब्रांड के नाम से बेचा जाने वाला नकली सरस घी और प्रो वैदिक कंपनी का नकली घी भी सीज किया गया है। अब तक नकली घी और तेल की शिकायतें छोटे दुकानदारों के खिलाफ आती थी। लेकिन अब नामी कंपनियों के सुपरमार्केट में भी नकली प्रोडक्ट मिलने लगा है। विभाग इस मामले की गंभीरता से छानबीन कर रहा है। अरोड़ा ने बताया कि सरस घी के उपभोक्ता असली और नकली की पहचान आसानी से कर सकते हैं। हाल ही में आरसीडीएफ की ओर से क्यूआर कोड जारी किए हैं। इन क्यूआर कोड को स्कैन करने पर पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। हर पेकिंग का अलग यूनिट कोड और बैच नंबर है।

संपादकीय

नशे पर नश्तर

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि जिन रक्षकों के भरोसे सरकार नशा तस्करों से दो-दो हाथ करती रही है, उनमें से कुछ लोग नशे के धंधे को सींचने पर लगे रहे हैं। यह सरकार ही नहीं पुलिस विभाग के लिये भी दुखद स्थिति है कि बाड़ ही खेत को खाने लगी है। सही मायनों में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि चंद रुपयों के लालच में कुछ खाकी वर्दीधारियों के हाथों में नशे के काले कारोबार की कालिख लगी हुई है। यह संकट कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हजारों पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर करने पड़े हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान को कहना पड़ा है कि विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर वर्षों से जमे हुए करीब दस हजार पुलिस मुलाजिमों के तबादले किये गए हैं। जाहिर, इतने बड़े पैमाने पर तबादले करने का कोई ठोस तार्किक आधार ही होगा। कई डिवीजनों में लंबे समय से जमे मुलाजिम नशा तस्करों के मददगार बने हुए थे। विगत में कई राजनेताओं पर भी नशे के कारोबार में हिस्सेदारी के आरोप लगे थे। जाहिर है, ऐसे प्रभावशाली नेताओं ने लाभदायक स्थानों पर अपनी सुविधा के पुलिस मुलाजिम तैनात किये होंगे। साफ-सी बात है कि बिना राजनेताओं व पुलिसिया मदद के नशे के बड़े तस्कर ज्यादा दिन टिक नहीं सकते। जैसा कि भगवंत मान कह भी रहे हैं कि पंजाब में नशीले पदार्थ पैदा नहीं होते। यह नशा अन्य राज्यों से तस्करों द्वारा पंजाब भेजा जाता है। विगत में भी ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों की खेप पाकिस्तान से लायी जा रही थी। सीमा सुरक्षा बलों की चौकसी से उसे बार-बार बरामद किया जा सका है। पंजाब के सीमावर्ती जिलों से भी ड्रोन सीमा पार नशे की खेप लेने के लिये भेजे जाते रहे हैं। ऐसे में पुलिस विभाग में कार्यरत काली भेड़ों के खिलाफ कार्रवाई व मुलाजिमों के तबादलों से निश्चित रूप से नशे के तस्करों पर नकेल कसी जा सकेगी। मान सरकार ने चेताया है कि नशे की तस्करी में शामिल पुलिसकर्मी बर्खास्त होंगे। साथ ही नशा तस्करों की संपति भी तत्काल जब्त होगी। दुखद ही है कि पंजाब आज नशे के अंधाधुंध कारोबार से पतनशील स्थिति की ओर अग्रसर है। इसे रोकने के लिये सरकार की सख्ती और पुलिसकर्मियों की ईमानदारी अपरिहार्य शर्त है। आये दिन पंजाब के विभिन्न भागों से नशे की ओवरडोज से युवाओं के मरने की खबरें आती हैं। उनके रोते-बिलखते परिवारों के दर्द को मान सरकार ने महसूस किया है। इस बड़ी लड़ाई से मुकाबले के लिये आप सरकार ने राज्य पुलिस में दस हजार नई भर्ती करने की भी घोषणा की है। निश्चित रूप से इन नियुक्तियों से जहां पुलिस बल को नशे के तस्करों से लड़ने के लिये नई ताकत मिलेगी, वहीं दस हजार युवाओं के परिवारों में नौकरी लगने से खुशियां आएंगी। बेहतर रोजगार स्थिति में आने के कारण कई युवा नशे की राह चुनने से बच सकेंगे। निश्चित रूप से पंजाब पर कसता नशे का शिकंजा एक गंभीर चुनौती है। सरकार को व्यापक अध्ययन करके उन परिस्थितियों का पता लगाना चाहिए, जिनकी वजह से युवा नशे की दलदल में धंस रहे हैं। राज्य में सरकार, प्रशासन और नागरिक स्तर पर नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। उन लोगों की पहचान गोपनीय रखनी चाहिए, जो नशा तस्करों के खिलाफ सूचना पुलिस को देते हैं। यदि विभाग के लोग नशा तस्करों से सांठगांठ के चलते गोपनीय सूचनाएं लीक करेंगे, तो सूचना देने वालों का जीवन भी संकट में पड़ सकता है।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

आदर्श नायिका हैं वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई

(लेखिका-डॉ. वंदना सेन/)

(बलिदान दिवस पर विशेष....)

भारत में ऐसे कई महान व्यक्तित्व हुए हैं, जिनका जीवन हमको देश के लिए जीना सिखाता है। उनके हर कदम भारत के वीर भाव को ही प्रदर्शित करते थे। यहां यह बताना भी बहुत जरुरी है कि देश याने क्या? देश केवल भूमि नहीं, बल्कि वहां रहने वाली संतति ही है। इसलिए स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि देश के महानायकों ने जिस वीरत्व भाव के साथ जीवन जिया, वह देश की संतति को प्रेरणा देने वाला ही है। लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल यह है कि हम इन महानायकों को कितना अपने जीवन में उतारते हैं? यथार्थ यही है कि आम जन के लिए जीवन का उत्सर्ग करने वाले इन योद्धाओं को हम लगभग विस्मृत ही कर चुके हैं। आज हमको अपने नायकों को पहचानने की आवश्यकता है। रानी लक्ष्मी बाई उन नायकों की श्रृंखला में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।

वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मन मस्तिष्क में रानी लक्ष्मी बाई की छवि उभरने लगती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुईं, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। वे वर्तमान में महिला सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल भी हैं। कहा जाता है कि सच्चे वीर को कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से विमुख नहीं कर सकता। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था। उसे अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म स्थापित करने वाला प्यार था। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाए। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया। वीरांगना लक्ष्मीबाई के मन में अंग्रेजों के प्रति किस कदर घृणा थी, वह इस बात से पता चल जाता है कि जब रानी का अंतिम समय आया, तब ग्वालियर की भूमि पर स्थित गंगादास की बड़ी शाला में रानी ने संतों से कहा कि कुछ ऐसा करो कि मेरा शरीर अंग्रेज न छू पाएं। इसके बाद रानी स्वर्ग सिधार गईं और बड़ी शाला में स्थित एक झोपड़ी को चिता का रुप देकर रानी का अंतिम संस्कार कर दिया। और अंग्रेज देखते ही रह गए। हालांकि इससे पूर्व रानी के समर्थन में बड़ी शाला के संतों ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया, जिसमें 745 संतों का बलिदान भी हुआ, पूरी तरह सैनिकों की भांति अंग्रेजों से युद्ध करने वाले संतों ने रानी के शरीर की मरते दम तक रक्षा की।

जिन महापुरुषों के मन वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। इनके पिता मोरोपंत ताम्बे चिकनाजी अप्पा के आश्रित थे। इनकी माता का नाम भागीरथी बाई था। महारानी के पितामह बलवंत राव के बाजीराव पेशवा की सेना में सेनानायक होने के कारण मोरोपंत पर भी पेशवा की कृपा रहने लगी। लक्ष्मीबाई अपने बाल्यकाल में मनु व मणिकर्णिका के नाम से जानी जाती थीं।सन् 1850 मात्र 15 वर्ष की आयु में झांसी के महाराजा गंगाधर राव से मणिकर्णिका का विवाह हुआ। एक वर्ष बाद ही उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। लेकिन चार माह पश्चात ही उस बालक का निधन हो गया। राजा गंगाधर राव को तो इतना गहरा धक्का पहुंचा कि वे फिर स्वस्थ न हो सके और 21 नवंबर 1853 को चल बसे। यद्यपि महाराजा का निधन महारानी के लिए असहनीय था, लेकिन फिर भी वे घबराई नहीं, उन्होंने विवेक नहीं खोया। राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंग्रेज सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया।

27 फरवरी 1854 को लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तक पुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंग्रेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। यह सूचना पाते ही रानी के मुख से यह वाक्य प्रस्फुटित हो गया, मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। यहीं से भारत की प्रथम स्वाधीनता क्रांति का बीज प्रस्फुटित हुआ। रानी लक्ष्मीबाई ने सात दिन तक वीरतापूर्वक झांसी की सुरक्षा की और अपनी छोटी-सी सशस्त्र सेना से अंग्रेजों का बड़ी बहादुरी से मुकाबला किया। रानी ने खुले रूप से शत्रु का सामना किया और युद्ध में अपनी वीरता का परिचय दिया। वे अकेले ही अपनी पीठ के पीछे दामोदर राव को कसकर घोड़े पर सवार हो, अंग्रेजों से युद्ध करती रहीं। बहुत दिन तक युद्ध का क्रम इस प्रकार चलना असंभव था। सरदारों का आग्रह मानकर रानी ने कालपी प्रस्थान किया। वहां जाकर वे शांत नहीं बैठीं।

उन्होंने नाना साहब और उनके योग्य सेनापति तात्या टोपे से संपर्क स्थापित किया और विचार-विमर्श किया। रानी की वीरता और साहस का लोहा अंग्रेज मान गए, लेकिन उन्होंने रानी का पीछा किया। रानी का घोड़ा बुरी तरह घायल हो गया और अंत में वीरगति को प्राप्त हुआ, लेकिन रानी ने साहस नहीं छोड़ा और शौर्य का प्रदर्शन किया। कालपी में महारानी और तात्या टोपे ने योजना बनाई और अंत में नाना साहब, शाहगढ़ के राजा, बानपुर के राजा मर्दन सिंह आदि सभी ने रानी का साथ दिया। रानी ने ग्वालियर पर आक्रमण किया और वहां के किले पर अधिकार कर लिया। विजयोल्लास का उत्सव कई दिनों तक चलता रहा लेकिन रानी इसके विरुद्ध थीं। यह समय विजय का नहीं था, अपनी शक्ति को सुसंगठित कर अगला कदम बढ़ाने का था।

इधर जनरल स्मिथ और मेजर रूल्स अपनी सेना के साथ संपूर्ण शक्ति से रानी का पीछा करते रहे और आखिरकार वह दिन भी आ गया जब उसने ग्वालियर का किला घमासान युद्ध करके अपने कब्जे में ले लिया। रानी लक्ष्मीबाई इस युद्ध में भी अपनी कुशलता का परिचय देती रहीं। 18 जून 1858 को ग्वालियर का अंतिम युद्ध हुआ और रानी ने अपनी सेना का कुशल नेतृत्व किया। वे घायल हो गईं और अंतत- उन्होंने वीरगति प्राप्त की। रानी लक्ष्मीबाई ने स्वातंत्र्य युद्ध में अपने जीवन की अंतिम आहुति देकर जनता जनार्दन को चेतना प्रदान की और राष्ट्रीय रक्षा के लिए बलिदान का संदेश दिया।

नयी सरकार के समक्ष ज्वलंत सुरक्षा चुनौतियां

रक्षा क्षेत्र/ डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

नवगठित एनडीए सरकार में राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्री बनाया गया है। वे पिछली सरकार में भी रक्षा मंत्रालय का कामकाज देख रहे थे। रक्षा मंत्री के तौर पर दूसरे कार्यकाल में राजनाथ सिंह के लिए अग्निपथ योजना की समीक्षा करके उसे आकर्षक बनाने का काम अत्यन्त सामयिक एवं ज्वलंत है। इसके अलावा सैन्य सुधारों को लागू करना, इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड का गठन, हथियारों के आयात में कमी करना, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाना, पाकिस्तान व चीन सीमा पर बने तनाव से निपटने के रास्ते निकालने की जिम्मेदारी के साथ ही रक्षा बजट अधिक करवाना है। अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने को लेकर युवाओं ने शुरुआत से ही नाराजगी जाहिर कर दी थी। यह बात अलग है कि बाद में नवयुवक इस योजना में भर्ती होने लग गए थे। सेवानिवृत्त सैनिकों ने इस योजना का विरोध करते हुए सवाल उठाए थे। इसके अलावा कुछ विपक्षी दलों ने अग्निपथ योजना का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। उल्लेखनीय है कि इस योजना में युवाओं को चार साल के लिए भर्ती किया जाता है। इस योजना के 25 प्रतिशत जवानों को ही स्थाई होने का अवसर मिलेगा। शेष जवानों को अन्य क्षेत्रों में रोजगार तलाशना पड़ेगा। स्थाई सैनिकों की तुलना में इन्हें केवल 30 दिन की छुट्टी मिलती है। अब इस योजना में सुधार को लेकर सेना के भीतर से ही कुछ सुझाव मिले हैं। इसलिए इसकी समीक्षा किए जाने की बात चल रही है। रक्षा मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि अग्निपथ योजना में यदि बदलाव की आवश्यकता हुई तो वे करने को तैयार हैं। सैनिक सुधार करना सरकार के एजेंडे में शामिल है। सैन्य सुधारों में सबसे प्रमुख सेना के तीनों अंगों थल सेना, वायु सेना एवं नौसेना को मिलाकर एकीकृत थिएटर कमांड का गठन करना है। इसमें नए सेनाध्यक्ष की भूमिका प्रमुख होगी। विदित हो कि मोदी सरकार के नेतृत्व में वर्ष 2019 में थिएटर कमांड बनाए जाने का निर्णय हुआ था। उसी समय जनरल बिपिन रावत को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बनाया गया था। इस योजना का उद्देश्य छोटी-बड़ी लड़ाइयों के समय अपने निश्चित सामरिक लक्ष्यों के साथ विशिष्ट शत्रु आधारित थिएटरों में संयुक्त अभियानों के लिए थल सेना, वायु सेना एवं नौसेना को एकीकृत करना है। भारतीय सशस्त्र बल थिएटर कमांड के गठन की तैयारियों को पूरा करने में लगे हुए हैं। वर्ष 2019 से अब तक की अवधि में निचले स्तर पर सेवाओं को एकीकृत करने के कुछ प्रयास किए गए हैं। बीते पांच वर्षों में थिएटर कमांड के लिए उत्तम संभव मॉडल पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए अनेक मसौदे तैयार किए गए। अब सरकार गठन के बाद इस पर विचार किए जाने की उम्मीद है। मार्च, 2024 में स्वीडन स्थित स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) यानी सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत संसार के शीर्ष हथियार आयातक देशों में शामिल है। यह संस्था दुनियाभर में हथियारों की खरीद-फरोख्त पर नजर रखती है और प्रतिवर्ष अपनी रिपोर्ट जारी करती है। सिपरी की रिपोर्ट में बताया कि भारत ने 2019 से 2023 तक पांच वर्षों में दुनिया से 9.8 फीसदी हथियार आयात किए। आवश्यक है कि हथियारों के मामले में दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम की जाए। यह कार्य कैसे किया जाए इससे रक्षा मंत्री को निपटना होगा। बीते दो दशकों से मोदी सरकार ने मेक इन इंडिया पर जोर दिया है। इसी अभियान के तहत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा दिया गया है। परिणाम यह हुआ कि भारत के रक्षा उद्योग में सैन्य साजो-सामान का उत्पादन काफी बढ़ गया है। स्वदेशी तकनीक से बनी मिसाइलों, हल्के लड़ाकू विमान तेजस, ध्रुव हेलीकॉप्टर, स्कॉरपियन श्रेणी की पनडुब्बियों ने देश के रक्षा क्षेत्र को काफी आगे बढ़ा दिया है। इस कारण भारत के रक्षा निर्यात में काफी बढ़ोतरी हो गई। पिछले वित्तीय वर्ष में भारत का सैन्य निर्यात 21083 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। फिलीपींस, पोलैण्ड तथा अफ्रीकी देशों ने भारत निर्मित मिसाइलों, विमानों और हेलीकॉप्टरों की खरीद में रुचि दिखाई है। जरूरत है, भारत का रक्षा मैन्युफैक्चरिंग इतना आगे बढ़े कि रक्षा आयात कम किया जा सके। रक्षा मंत्री को पाकिस्तान व चीन की सीमा पर मिलने वाली चुनौतियों से निपटने की सैन्य तैयारियां भी बढ़ानी हैं। जहां पाकिस्तान भारतीय सीमा के नजदीक किसी भी युद्ध संबंधी स्थिति से निपटने के लिए चीन की मदद से बंकर तैयार करने के साथ-साथ अत्याधुनिक हथियार ले रहा है वहीं दूसरी तरफ चीन के साथ भी तनाव बना हुआ है। वर्ष 2020 में पैदा हुए तनाव के बाद से अभी तक 21 दौर की वार्ता के बाद भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अप्रैल, 2020 से पहले की स्थिति बहाल नहीं हुई। इसीलिए चीन व पाकिस्तान की सीमा पर जवान डटे हुए हैं। रक्षा मंत्री के लिए एलएसी तथा एलओसी पर शांति व स्थिरता बनाए रखने की चुनौती होगी। देश की रक्षा चुनौतियों से निपटने लिए धन की अधिक आवश्यकता होती है। रक्षा मंत्री के लिए वित्त मंत्री से अधिक रक्षा बजट की मांग पूरी करवाना भी विशेष कार्य रहेगा। भारत का रक्षा बजट रक्षा चुनौतियों के हिसाब से हमेशा कम रहा है। भारत का रक्षा बजट 74 अरब डॉलर के लगभग है। दुनिया के प्रमुख देशों के रक्षा बजट के हिसाब से भारत चौथे नम्बर पर है। चीन का रक्षा बजट भारत से तीन गुना से ज्यादा है। अधिक रक्षा बजट होने पर ही भारत अत्याधुनिक हथियारों के निर्माण के बाद अन्य देशों के बराबर पहुंच सकेगा।

विचार मंथन

ब्रिटेन के सबसे धनी हिंदुजा को जेल

(लेखक- सनत जैन)

-कुत्तों से गई-बीती निजी सेवकों की औकात बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर वाली कहावत को चरितार्थ किया है, ब्रिटेन के हिंदुजा परिवार ने। ब्रिटेन के सबसे धनी भारतीय मूल के हिंदुजा परिवार को स्विस कोर्ट ने सजा सुनाई है। कोर्ट ने यह सजा, उन्हें अपने निजी सेवकों को बंधक बनाए रखने, उन्हें स्विस कानून के अनुसार न्यूनतम से भी बहुत कम वेतन देने, 16 से 18 घंटे नियमित काम लेने के आरोप प्रमाणित होने के बाद सुनाई है। भारतीय मूल के कारोबारी प्रकाश हिंदूजा उनकी पत्नी कमल हिंदुजा को साढ़े चार साल की सजा, उनके बेटे और बहू को 4-4 साल की सजा से दंडित किया गया है। उनके मैनेजर नियाजी को भी 18 माह की सजा दी गई है। हिंदुजा परिवार पर आरोप था कि उन्होंने अपने घरेलू सेवकों के पासपोर्ट छीनकर अपने पास रख लिए थे। उन्हें भारतीय मुद्रा में भुगतान किया जाता था, ताकि वह नौकरी छोड़कर भाग नहीं जाएं। निजी सेवकों से 16 से 18 घंटे काम कराया जाता था। उन्हें कोई छुट्टी नहीं दी जाती थी। स्विस कानून के अनुसार न्यूनतम वेतन का दसवां हिस्सा ही उन्हें हिंदुजा परिवार द्वारा भुगतान किया जा रहा था। हिंदुजा परिवार के किसी भी सदस्य की पुकार पर सेवकों को तुरंत सेवाएं देनी होती थीं। भय के माहौल में नौकरों को रखा गया था। घर में काम करने वाले निजी सहायकों को 2.38 लाख रुपए वार्षिक का भारतीय मुद्रा में भुगतान किया जा रहा था। हिंदुजा परिवार अपने कुत्तों के रख-रखाव और खाने पर 8 लाख रुपये वार्षिक भारतीय मुद्रा में खर्च कर रहा था। निजी सहायकों को विला से बाहर जाने की अनुमति नहीं होती थी। हिंदुजा परिवार ब्रिटेन का सबसे बड़ा कारोबारी है। मीडिया, आईटी कंपनी और रियल एस्टेट में काम कर रहे, इस कारोबारी के पास 1.67 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। हिंदुजा परिवार अपने घरेलु सेवकों जो उनकी 16 से 18 घंटे तक लगातार सेवा करते थे। उनका इस तरह से शोषण किया जाना आश्चर्यचकित करने वाली घटना है। जेनेवा की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। हिंदुजा परिवार की इस तरह की करतूतों को जानकर हर कोई हैरान है। कोई अपने निजी सहायकों के साथ इस तरह का व्यवहार कर सकता है? प्रकाश हिंदुजा की उम्र 78 साल की है। उनकी पत्नी की उम्र 75 साल की है। उनके बेटे अजय और बहू की सेवा में रहने वाले निजी सहायकों का उनके द्वारा ही इस तरह का शोषण किया जाएगा। कोर्ट में जब इस मामले के सारे तथ्य उजागर हुए। तब कोर्ट भी हैरान रह गई। हिंदुजा परिवार के निजी सहायक रसोईया और घरेलू कामकाज करते थे। उन निजी सहायकों से 16 से 18 घंटे तक बिना किसी छुट्टी के काम लिया जाता था। निजी सहायकों और उनके बीच में कोई भी लगाव नहीं पनपा। स्विस कानून के अनुसार न्यूनतम मजदूरी का दसवां हिस्सा ही उन्हें दिया जा रहा था। जिनेवा स्थित झील के किनारे जिस विला में वह रहते थे, वहां पर नौकरों के लिए रहने और खाने-पीने के लिए भी कोई इंतजाम नहीं रखा गया। जानवरों की तरह विला के बेसमेंट या फर्श पर उनके घरेलू नौकर रहने और सोने के लिए विवश थे। लाखों करोड़ रूपये की संपत्ति के मालिक यदि इस तरह का व्यवहार अपने निजी सहायकों के साथ करेंगे, इस पर सहज रूप से विश्वास नहीं होता है।

विशेष रूप से भारतीय मूल के कारोबारी यदि इस तरह का व्यवहार करें, तो यह समझ से परे है। हिंदुजा परिवार पैसा कमाने और पैसा बचाने के लिए यदि इस तरीके के अमानवीय कृत्य करता है। इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। भारत से लोगों को बुलाकर उन्हें भारतीय समुदाय के होने का विश्वास दिलाकर विदेश में बसे अरबपति-खरबपति उद्योगपति, अपने समुदाय के साथ इस तरह का विश्वासघात करते हैं। उन्हें इस तरह की सजा मिलनी ही चाहिए। यह कितने असंवेदनशील हैं, इस बात का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है। जो निजी सहायक इनकी 16 से 18 घंटे तक सेवा करते थे, उनके साथ इस तरह का व्यवहार तो कसाई भी नहीं करता है। जैसा यह उद्योगपति परिवार कर रहा था। भारत में कहावत है, नाम बड़े और दर्शन छोटे। प्रकाश हिंदुजा के परिवार को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है। हर साल अरबों-खरबों रुपए की कमाई करते हैं। करोड़ों रुपए का टैक्स चुकाते हैं।

उसके बाद भी इनमें इतनी भी मर्यादा नहीं है, कि वह अपने निजी सहायकों की मौलिक आवश्यकताओं और जरूरतों को पूरा कर सकें। कुत्ते पर ज्यादा खर्च करना और नौकरों को बंधक बनाकर उनसे काम लेने की इस घटना पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। ऐसे बड़े आदमी होने का कोई मतलब भी नहीं है, जिसमें कोई इंसानियत ही ना हो। स्वार्थ में इतने अंधे हो, पैसे बचाने के लिए वह इतने निचले स्तर तक चले जाएं। 78 साल के प्रकाश हिंदुजा जो भारतीय मूल के हैं। भारतीय संस्कारों को जानते हैं। वह अरबों-खरबों की संपत्ति को अर्जित कर लें। जब उनकी मृत्यु होगी, सारी संपत्ति यहीं रह जाएगी। उसका वारिश भी उस समय कौन होगा, यह भी उन्हें पता नहीं होगा। इसके बाद भी अपने ही निजी सहायकों का इस तरह का शोषण, भारतीय संस्कारों के ठीक विपरीत है। इस उम्र में यदि इस तरह की उनकी हरकतें हैं, तो इन्हें भारतीय मूल का भी नहीं कहा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जबलपुर में हो रही है स्टीविया की खेती

- शक्कर से 200 गुना ज्यादा मीठी स्टीविया की पत्तियां

जबलपुर धार । जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ने डायबिटीज और बीपी के मरीजों के लिए स्टीविया पत्ती उत्पादन के लिए हर्बल प्लांट तैयार किए हैं। इन पत्तियों की मिठास शक्कर से 200 गुना ज्यादा है। डायबिटीज और बीपी के मरीजों को इसको खाने से नुकसान नहीं होता है। इस हर्बल पौधे के माध्यम से तैयार पत्तियों की डिमांड मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र के साथ-साथ रूस में भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। ऑर्गेनिक फार्मिंग से तैयार एक क्विंटल स्टीविया पत्तियों की कीमत 20 से 25000 रूपये के बीच मिलती है। वही बिना ऑर्गेनिक फार्मिंग के पौधों की पत्तियों की कीमत प्रति क्विंटल 8 से 10000 रूपये मिलती है। इन पत्तियों से जो पाउडर तैयार होता है। वह 400 से 450 रुपए प्रति किलो में आसानी से बिक रहा है।1 किलो पत्ती में 20 किलो शक्कर की मिठास होती है।स्टीविया पत्तियों में कैलोरी की मात्रा शून्य होती है। जिसके कारण डायबिटीज और बीपी के मरीज इसे आसानी से उपयोग में ला सकते हैं। रूस की एक कंपनी ने 60 टन पत्तियों की डिमांड भेजी है। जिसे जनवरी माह तक भेजा जाना है। इसके लिए 25 एकड़ से अधिक जमीन पर इसकी खेती की जा रही है।शक्कर के सबसे बेहतर विकल्प के रूप में स्टीविया की खेती बड़े पैमाने पर शुरू हो इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं।

एनबीएफसी एवांस फाइनेंशियल ने आईपीओ के दस्तावेज किए जमा

नई दिल्ली । एनबीएफसी एवांस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ बाजार में प्रवेश करने वाला है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 3,500 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी के पास दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक आरंभिक शेयर-बिक्री में 1,000 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 2,500 करोड़ रुपये तक की ऑफर फॉर सेल भी है। ऑफर फॉर सेल के तहत ऑलिव वाइन इन्वेस्टमेंट, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन और केदारा कैपिटल ग्रोथ फंड-3 शेयर बेचेंगे। कंपनी छात्रों को एजुकेशन लोन देने से लेकर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन तक को एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर लोन उपलब्ध कराती है। मार्च 2024 तक एवांस फाइनेंशियल सर्विसेज भारत में एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के मामले में दूसरी सबसे बड़ी शिक्षा-केंद्रित एनबीएफसी है। कंपनी का एयूएम 31 मार्च, 2022 तक 48,35.6 करोड़ रुपये था जो बढ़कर 31 मार्च, 2023 तक 8646 करोड़ रुपये हो गया। वहीं 31 मार्च, 2024 तक 13,303 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी का 10वां दौर शुरू

हैदराबाद । केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी के 10वें दौर की शुरुआत कर दी है। नीलामी के इस चरण में 67 कोयला खानों को शामिल किया गया है। ये खदानें बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में स्थित हैं। इनमें पूरी तरह और आंशिक रूप से खोजी गई खदानों के साथ तीन कोकिंग कोल खदानें भी शामिल हैं। नीलामी की शुरुआत के मौके पर रेड्डी ने कोयला आयात घटाने और इसका उत्पादन बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने बिजली उत्पादन में कोयले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे काला सोना बताया। कोयला मंत्री ने कहा कि जीवंत और सुधार-उन्मुख कोयला क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अहम है। इस बीच रेड्डी के गृह-राज्य तेलंगाना के गोदावरी क्षेत्र में स्थित कोयला खदानों को बोली के बगैर ही आवंटित किए जाने की मांग उठी है। तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आरक्षण कोटा के तहत गोदावरी क्षेत्र की खदानें सरकारी कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज को नीलामी के बगैर ही आवंटित करने की मांग रखी है। इस पर किशन रेड्डी ने कहा कि वह विक्रमार्क की तरफ से उठाए गए मुद्दे पर गौर करेंगे।

एसबीआई ने सरकार को दिया 6959 करोड़ का लाभांश

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख बैंक एसबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सरकार को करीब 6959 करोड़ रुपए का लाभांश और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 857 करोड़ रुपए का लाभांश दिया है। अहम बात यह है कि एसबीआई द्वारा दिया गया लाभांश पिछले वर्ष की तुलना में करीब 23 फीसदी ज्यादा है। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश का चेक सौंपा। इस मौके पर वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी भी मौजूद थे। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6959.29 करोड़ रुपए का लाभांश चेक निर्मला सीतारमण को सौंपा। एसबीआई ने पिछले वित्त वर्ष के लिए 13.70 रुपए प्रति शेयर का लाभांश दिया। यह पिछले वर्ष में दिए गए 11.30 रुपए प्रति इक्विटी शेयर लाभांश से अधिक है। बैंक का मुनाफा 2023-24 में रिकॉर्ड 67,085 करोड़ रुपए रहा जो उसके एक साल पहले 55,648 करोड़ रुपए था। इसी तरह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 857 करोड़ रुपए का लाभांश चेक सौंपा। बीओएम के प्रबंध निदेशक निधु सक्सेना और कार्यकारी निदेशक आशीष पांडे ने वित्त मंत्री को चेक सौंपा। इस मौके पर वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी भी मौजूद थे। बीओएम ने कहा कि बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1.40 रुपए प्रति इक्विटी शेयर (14 प्रतिशत) का लाभांश घोषित किया है। पुणे स्थित बैंक में भारत सरकार की 86.46 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बयान में कहा गया है कि यह लाभांश भुगतान वित्त वर्ष के दौरान बैंक के प्रभावशाली वित्तीय प्रदर्शन को बताता है।

जमाखोरी को रोकने दाल और चने पर स्टॉक सीमा लगी

- तय सीमा से ज्यादा स्टॉक नहीं कर पाएंगे व्यापारी

नई दिल्ली । जमाखोरी को रोकने और उपभोक्ताओं के लिए दालों की कीमत को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने काबुली चना समेत अरहर और चना जैसी दालों पर 30 सितंबर, 2024 तक स्टॉक सीमा लगा दी है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है जो थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं, मिल मालिकों और आयातकों पर लागू है। आदेश के अनुसार थोक विक्रेताओं के लिए लागू स्टॉक सीमा 200 मीट्रिक टन, खुदरा विक्रेताओं के लिए पांच मीट्रिक टन, खुदरा दुकानों पर पांच मीट्रिक टन और बड़ी श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं के लिए डिपो पर 200 मीट्रिक टन है। शुक्रवार को प्याज की कीमतों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कृषि मंत्रालय के अधिकारियों से खरीफ प्याज के पैदावार को बढ़ाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। पिछले एक साल में प्याज की औसत खुदरा कीमत में 55 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

पीएफआरडीए पेंशन व्यवस्था आकर्षक बनाने लाएगा नया लाइफ साइकिल फंड

- इक्विटी कोष में लंबे समय तक अधिक निवेश राशि आवंटित की जा सकेगी

नई दिल्ली । पेंशन कोष नियामक पीएफआरडीए युवाओं के बीच नई पेंशन व्यवस्था (एनपीएस) को आकर्षक बनाने के लिए न्यू बैलेंस्ड लाइफ साइकिल फंड लाने की योजना बना रहा है। इससे सेवानिवृत्ति तक अंशधारक को एक अच्छा-खासा कोष बनाने में मदद मिलेगी। पीएफआरडीए की इस प्रस्तावित योजना के तहत इक्विटी कोष में लंबे समय तक अधिक निवेश राशि आवंटित की जा सकेगी। इस योजना के अंतर्गत अंशधारक के 45 साल का होने पर इक्विटी निवेश में धीरे-धीरे कमी आएगी जबकि अभी 35 साल से यह कटौती शुरू हो जाती है। पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के चेयरमैन दीपक मोहंती ने कहा` कि हम अधिक लंबे समय तक इक्विटी शेयर फंड में निवेश आवंटित करने को लेकर जुलाई-सितंबर में न्यू बैलेंस्ड लाइफ साइकिल फंड लेकर आएंगे। उन्होंने अटल पेंशन योजना से संबंधित एक कार्यक्रम में कहा कि एनपीएस की गैर-सरकारी कर्मचारियों के लिए लाई जाने वाली इस नई योजना के अंतर्गत 45 साल के उम्र से इक्विटी निवेश में धीरे-धीरे कमी आएगी जबकि अभी 35 साल से ही यह कटौती शुरू हो जाती है। ऐसा होने पर एनपीएस का विकल्प चुनने वाले लोग लंबे समय तक इक्विटी कोष में अधिक राशि का निवेश कर सकेंगे। इससे दीर्घकाल में पेंशन कोष बढ़ेगा जबकि जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन भी स्थापित होगा। वर्तमान में अभी तीन लाइफ साइकिल (एलसी) कोष हैं। इन्हें एलसी 75, एलसी 50 और एलसी 25 के नाम से जाना जाता है। ये कोष ग्राहकों को निवेश का एक विकल्प प्रदान करते हैं। इसके तहत निवेशक इक्विटी और बॉन्ड में निवेश की जाने वाली राशि के आवंटन का विकल्प चुनते हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की तेजी रही

- सेंसक्स 269 अंकों की गिरावट के साथ 77,209 पर बंद
- निफ्टी 65.91 अंक टूटकर 23,501 अंकों पर बंद

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में नरमी के रुख के बीच स्थानीय बाजार में तेल एवं गैस, पूंजीगत उत्पाद और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) के शेयरों में बिकवाली होने से लगातार छह सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला शुक्रवार को थम गया। घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को हफ्ते के आखिरी दिन बाजार में भारी मुनाफावसूली दिखाई दी। हफ्ते भर में बाजार ने जो रिकॉर्ड बनाए थे, उससे बाजार काफी नीचे आ गए। ` जिससे बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सोमवार को ईद के अवसर पर शेयर बाजार रहने से बीता कारोबारी सप्ताह छोटा रहा। बीते कारोबारी ` दिनों पर नजर डालें तो मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। सेंसेक्स 226.62 अंकों की बढ़त के साथ 77,244.17 पर खुला और 308 अंक बढ़कर 77,301 पर बंद हुआ। निफ्टी 78.91 अंकों की बढ़त के साथ 23,544.50 पर खुला और 92 अंक बढ़कर 23,558 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 173.32 अंकों की बढ़त के साथ 77,457.33 पर खुला और 36.45 अंकों की बढ़त के साथ 77,337.59 पर बंद हुआ। निफ्टी 21.35 अंक मजबूत होकर 23,579.25 पर खुला और 41.91 अंकों की गिरावट के साथ 23,516.00 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 97.69 अंक टूटकर 77,254.01 पर खुला और 141.34 अंकों की बढ़त के साथ 77,478.93 के नए हाई पर बंद हुआ। निफ्टी 32.46 अंकों की गिरावट के साथ 23,483.55 के लेवल पर खुला और 51.00 अंक चढ़कर पहली बार 23,567.00 पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती बढ़त के बाद ऊपरी स्तरों से बिकवाली दिखी। बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों के टूटने से प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी कमजोर पड़ गए। इस दौरान सेंसेक्स 500 अंकों तक फिसल गया।

वहीं निफ्टी 23500 के नीचे आ गया। इससे पहले आईटी शेयरों में मजबूती से घरेलू शेयर बाजार में बढ़त का सिलसिला बरकरार रहा। शुक्रवार को सेंसक्स 2.25 अंकों की गिरावट के साथ 77,476.68 पर खुला और 269.03 अंकों की गिरावट के साथ 77,209.90 पर बंद हुआ। निफ्टी भी बढ़त गंवाकर महज 31.16 अंकों की तेजी के साथ 23,598.15 पर खुला और 65.91 अंक टूटकर 23,501.10 अंकों पर बंद हुआ।

बीमा कंपनियां विज्ञापनों में यूलिप को निवेश की तरह दिखाना बंद करें: इरडा

- नियामक ने गाइडलाइंस जारी कर बीमा कंपनियों को उनका पालन करने को कहा

नई दिल्ली ।

बीमा नियामक इरडा ने यूनिट लिंक्ड पॉलिसीज (यूलिप) को लेकर सख्त रवैया अपनाया है, नियामक ने बीमा कंपे नियों से कहा है की वह यू लिप को` निवेश की तरह दिखाना बंद करें। इसे लेकर बीमा नियामक ने हाल ही में एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने यूलिप के विज्ञापनों को लेकर 19 जून को एक मास्टर सर्कुलर जारी किया। सर्कुलर में इरडा ने विज्ञापनों में यूनिट लिंक्ड या इंडेक्स लिंक्ड प्रोडक्ट को इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट की तरह दिखाने पर रोक लगा दी है। नियामक ने इसे लेकर विस्तार से गाइडलाइंस जारी कर बीमा कंपनियों को उनका पालन करने के लिए कहा है। नियामक ने बीमा कंपनियों को इसके साथ ही विज्ञापनों में कई चीजों से बचने के लिए कहा है। जैसे कंपनियां ऐसी किसी भी सर्विस का विज्ञापन नहीं कर सकती हैं, जो बीमा से नहीं जुड़ा है। किसी जनरल इंश्योरेंस प्रोडक्ट के मामले में बीमा कंपनियां पुरानी दरों से रेट या डिस्काउंट को कंपेयर नहीं कर सकती हैं। स्पष्ट तरीके से जोखिमों की जनकारी दिए बिना बीमा कंपनियां इंश्योरेंस प्रोडक्ट के संभावित फायदों को हाईलाइट नहीं कर सकती हैं। इसी तरह बीमा कंपनियों को कहा गया है कि वे आंशिक रूप से फायदों के बारे में बताते समय उससे जुड़ी सीमाओं, शर्तों आदि की भी जानकारी दें। बिना ऐसा किए वे सिर्फ आंशिक फायदों के बारे में नहीं बता सकती हैं। बीमा कंपनियां किसी भी इंश्योरेंस प्रोडक्ट के फायदे को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत नहीं कर सकती हैं। कंपनियां किसी प्रतिस्पर्धी की छवि के बारे में अनुचित बातें नहीं कह सकती हैं। इरडा के गाइडलाइंस के बाद बीमा कंपनियां को अब किसी भी यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्रोडक्ट, इंडेक्स लिंक्ड प्रोडक्ट या एन्युटी प्रोडक्ट के विज्ञापन में वैरिएबल एन्युटी पे-आउट ऑप्शन के बारे में आसान भाषा में पूरी जानकारी देनी होगी। विज्ञापनों में उन्हें इन्वेस्टमेंट पर रिटर्न में हो सकने वाले उतार-चढ़ाव की भी जानकारी देनी होगी।

ओला इलेक्ट्रिक को अपना आइपीओ लाने की मंजूरी मिली

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को इसी महीने की 20 तारीख को सेबी की तरफ से आईपीओ लाने की आधिकारिक मंजूरी भी मिल गई है। मगर अब पेच आईपीओ के वैल्यूएशन को लेकर फंसता दिख रहा है। वैल्यूएशन को लेकर कंपनी पर निवेशकों का दबाव बनता दिख रहा है। एक एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कंपनी के फाउंडर भाविश अग्रवाल चाहते हैं कि आईपीओ 7 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर लाया जाए। जबकि कंपनी के निवेशक चाहते हैं कि यह वैल्यूएशन 5 अरब डॉलर तय की जाए। सूत्रों ने बताया कि 5 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर ओला इलेक्ट्रिक के मौजूदा इन्वेस्टर्स आईपीओ के दौरान कंपनी में मौजूदा शेयर नहीं बेचने का विकल्प चुन सकते हैं। लोगों ने कहा कि बातचीत की गई है और कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। सेबी की वेबसाइट के मुताबिक ओला इलेक्ट्रिक 7,250 करोड़ रुपये का आईपीओ लाएगी। जिसमें 1,750 करोड़ रुपये वह ऑफर फॉर सेल के जरिये जुटाएगी। ओला इलेक्ट्रिक भारत की पहली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी होगी, जो शेयर बाजार में प्रवेश करने जा रही है।

जून में फ्लैश कंपोजिट का पीएमआई 60.9 पर पहुंचा

- 18 सालों में सबसे ज्यादा मिलीं नौकरियां

नई दिल्ली ।

ग्लोलबल बैंक एचएसबीसी ने जून महीने का मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस को मिलाकर फ्लैश कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) डेटा रिलीज कर दिया। सर्वेक्षण के अनुसार जून में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर दोनों में बढ़ोतरी देखने को मिली। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि पिछले 18 सालों में सबसे ज्यादा रोजगार` मिले। एक सर्वे के अनुसार हेडलाइन फ्लैश कंपोजिट पीएमआई डेटा जून में बढ़कर 60.9 हो गया, जो मई में 60.5 था। बता दें कि मई के डेटा को रिवाइज किया गया और आंकड़े में थोड़ी गिरावट आई। भारत के मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के कंबाइंड आउटपुट में मासिक आधार पर बदलाव को मापने वाला यह इंडेक्स लगातार 35वें महीने ग्रोथ दायरे में रहा। फरवरी से ही उत्पादन क्षेत्र में बढ़ोतरी सेवा प्रोवाइडर्स के मुकाबले मजबूत रही है। एचएसबीसी की एक ग्लोबल इकनॉमिस्ट ने कहा कि ओवरआल फ्लैश पीएमआई जून में बढ़ गया, जो मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर दोनों की बढ़ोतरी की वजह से हुआ क्योंकि इसमें मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने तेज वृद्धि दर्ज की। उन्होंने कहा` कि दोनों सेक्टर्स के लिए नए ऑर्डर में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें मैन्युफैक्चरर्स के बीच तेजी से उछाल आया। हालांकि जून में नए निर्यात ऑर्डरों की ग्रोथ रेट थोड़ी धीमी हो गई, लेकिन यह सीरीज की शुरुआत के बाद दूसरी सबसे तेज थी। इसकी वजह से जून में कैपासिटी प्रेशर स्पष्ट हो गए, जिससे कंपनियों ने पिछले 18 सालों में सबसे अधिक अपने स्टाफिंग लेवल को बढ़ाया। निर्यात के मोर्चे पर, नए निर्यात ऑर्डर जून में लगातार 22वें महीने बढ़े और मजबूत बने रहे, हालांकि पिछले महीने की रिकॉर्ड वृद्धि के बाद

गति थोड़ी धीमी हो गई। मजबूत मांग ने कंपनियों को अधिक लोगों को नियुक्त करने के लिए प्रेरित किया, जिससे कुल मिलाकर रोजगार सृजन अप्रैल 2006 के बाद सबसे तेज गति से बढ़ा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार सर्विस सेक्टर के मुकाबले ज्यादा था।

मास्टरकार्ड समर्थित फिनटेक फर्म पाइन लैब्स लाएगी आईपीओ!

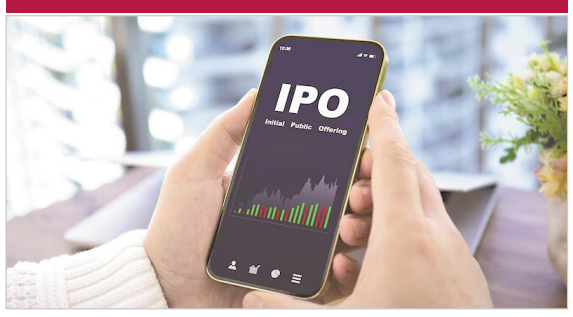

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में आई तेजी को देखते हुए स्टार्टअप से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारतीय इकाइयां पूंजी बाजार में प्रवेश करने की तैयारी कर रही हैं। मास्टरकार्ड और पीक-15 के निवेश वाली डिजिटल भुगतान कंपनी पाइन लैब्स भारत में करीब 1 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने पर विचार कर रही है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार पाइन लैब्स आईपीओ में 6 अरब डॉलर से ज्यादा के मूल्यांकन की उम्मीद कर रही है।

आईपीओ में पाइन लैब्स नए शेयर के साथ ही सेकंडरी शेयर भी जारी कर सकती है। दो लोगों ने बताया कि कंपनी आईपीओ लाने से पहले और पूंजी जुटा सकती है। इस खबर को पहले ब्लूमबर्ग ने प्रकाशित किया था। इस बारे में पाइन लैब्स ने कोई जानकारी नहीं दी है। अगर पाइन लैब्स का 1 अरब डॉलर का आईपीओ आता है तो यह पेटीएम की प्रवर्तक वन97 कम्युनिकेशंस के बाद किसी भी भारतीय फिनटेक कंपनी का सबसे बड़ा निर्गम होगा। वन97 कम्युनिकेशंस ने 2021 में आईपीओ के जरिये करीब 2.5 अरब डॉलर जुटाए थे। भारत में कंपनियां इस साल अभी तक आईपीओ के जरिये करीब 7 अरब डॉलर जुटा चुकी है, जो 2023 की समान अवधि की तुलना तीन गुना से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि पाइन लैब्स के आईपीओ पर अभी प्रारंभिक स्तर पर बातचीत चल रही है और इस बारे में कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। बाजार में तेजी का फायदा उठाने के लिए कई कंपनियां आईपीओ लाने की होड़ में हैं। ह्युंडै मोटर ने अपनी भारतीय इकाई का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की योजना बनाई है, वहीं सॉफ्टबैंक और टेमासेक समर्थित ओला इलेक्ट्रिक के 5,500 करोड़ रुपये के आईपीओ को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। तेल मार्केटिंग कंपनियां रोज सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल के भाव अपडेट करती है। इनकी की कीमतों पर सीधा असर वैश्विक स्तर के क्रूड ऑयल की कीमतों के कारण पड़ता है। हर शहर में पेट्रोल और डीजल की अलग अलग होती है, क्योंकि इन पर टैक्स और वैट लगाया जाता है। शे निवार को दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की दरें क्रमशः 94.76 रुपये और 87.66 रुपये प्रति लीटर हैं। वहीं मुंबई में पेट्रोल 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल की कीमत 92.32 रुपये है। जबकि कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 103.93 रुपये का और डीजल 90.74 रुपये में मिल रहा है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर है। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर है। चंडीगढ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर है। बेंगलुर में पेट्रोल 102.84 रुपये और डीजल 88.92 रुपये प्रति लीटर है। हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर है। जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर है। पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

संबंधित पक्षों में 2.68 ट्रिलियन के लेनदेन पर अगले हफ्ते होगा निर्णय!

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते अदाणी एंटरप्राइजेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरधारक चालू वित्त वर्ष और आगे के लिए संबंधित पक्षों के साथ कुल 2.68 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावित लेनदेन पर निर्णय करेंगे। कैपिटालाइन के आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2023 में बीएसई 500 कंपनियों में संबंधित पक्ष के साथ लेनेदन का कुल मूल्य बढ़कर 6 साल के उच्च स्तर 42.1 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। 42.1 लाख करोड़ रुपये मूल्य में बैलेंस शीट और लाभ-हानि दोनों के स्तर पर संबंधित पक्षों के लेनदेन शामिल हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी एंटरप्राइजेज और टाटा मोटर्स प्रमुख गैर-बैंकिंग कंपनियां हैं जिसका बीते समय में संबंधित पक्ष के लेनदेन ज्यादा रहा है। वित्त वर्ष 2025 के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज सोमवार को प्रस्तावित सालाना आम बैठक के प्रस्ताव के तहत शेयरधारकों से संबंधित पक्ष के साथ 1.04 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के लेनदेन की मंजूरी मांग रही है। इसी तरह टाटा मोटर्स ने संबंधित पक्ष के साथ 89,000 करोड़ रुपये मूल्य के लेनदेन का प्रस्ताव किया है जिसे पर सोमवार को होने वाली बैठक में शेयरधारकों से मंजूरी मांगी जाएगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज चालू वित्त वर्ष में संबंधित पक्ष संग 74,800 करोड़ रुपये मूल्य के लिए लेनदेन हेतु शेयरधारकों से डाक मतपत्र के जरिये गुरुवार को मंजूरी मांगेगी, जिसके नतीजे अगले हफ्ते आ

सकते हैं। चालू वित्त वर्ष में संबंधित पक्ष के साथ जिन प्रमुख लेनदेन शेयरधारक वोट करेंगे, उनमें वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक इकाई और जियो फाइनैंशियल सर्विसेज के बीच 36,000 करोड़ रुपये के लेनदेन शामिल हैं।

आज अमेरिका के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा इंग्लैंड

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। गत चैंपियन इंग्लैंड को टी20 विश्व कप में अगर अपनी उम्मीदें जिंदा रखना हैं, तब इंग्लिश टीम को अमेरिका के खिलाफ रविवार को होने वाले सुपर आठ के अपने अंतिम मैच में बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। इंग्लैंड के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी नहीं कर सके और मैच में हार के कारण उसका नेट रन रेट भी गड़बड़ा गया।

वेस्टइंडीज की अमेरिका के खिलाफ बड़ी जीत से ग्रुप में सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ रोमांचक हो गई है। ऐसी परिस्थितियों में इंग्लैंड को अपने नेट रन रेट में सुधार करने के लिए अमेरिका पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। द.अफ्रीका ने ग्रुप दो में अपने दोनों मैच जीते हैं और वह अभी शीर्ष पर काबिज है, लेकिन वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की जीत से समीकरण बदल सकते हैं। तीनों टीम में अभी वेस्टइंडीज का नेट रन रेट बेहतर है।

अभी किसी भी टीम ने सेमीफाइनल में सीट पक्की नहीं की है। इंग्लैंड को अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अमेरिका के खिलाफ कम से कम 10 रन या एक ओवर शेष रहते हुए जीत हासिल करनी होगी। अगर इंग्लैंड ऐसा करने में सफल होता, तब द.अफ्रीका की मुश्किल बढ़ जाएगी क्योंकि वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां तक कि सुपर ओवर में हारने पर भी वह बाहर होगा। यदि दक्षिण अफ्रीका जीत दर्ज करने में सफल रहता है और इंग्लैंड की टीम अमेरिका से हार जाती है तब फिर वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और अमेरिका में से जिसका नेट रन रेट बेहतर होगा, वह ग्रुप से दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। वहीं इंग्लैंड को अगर अपना नेट रन रेट सुधारना है, तब उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उसके बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निराश

किया। फिल साल्ट शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अपने पिछले 10 टी20 मैचों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है, लेकिन पिछले मैच में उनके जल्दी आउट होने से इंग्लैंड को धमाकेदार शुरुआत नहीं मिल पाई। कप्तान जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो बड़े शॉट नहीं लगा सके। हैरी ब्रूक (53) और लियाम लिविंगस्टोन (33) ने मोर्चा संभाला लेकिन इंग्लैंड अंतिम तीन ओवर में 25 रन नहीं बना सका। इसके बावजूद अमेरिकी गेंदबाजों के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना मुश्किल होगा।

टीम

इंग्लैंड - जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम करन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले और मार्क वुड।

अमेरिका - मोनंक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रलवकर, शैडली वैन शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर। रिजर्व खिलाड़ी- गजानंद सिंह, जुआनॉय ड्रिस्डेल, यासिर मोहम्मद।

बाबर आजम कर सकते हैं पूर्व खिलाड़ियों और यूट्यूबर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

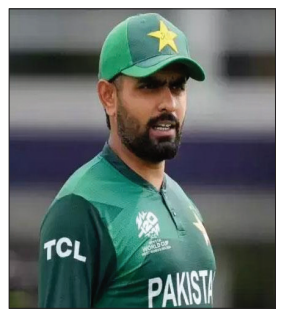

इस्लामाबाद (पाकिस्तान) (एजेंसी)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम उन यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं जिन्होंने टी20 विश्व कप में उनके अभियान के दौरान उन पर 'दुर्व्यवहार' का आरोप लगाया था।

बाबर और पाकिस्तान की टीम को विश्व कप अभियान के कारण पूर्व खिलाड़ियों और प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान के अभियान के दौरान बाबर को 'निशाना' बनाने के लिए सोशल मीडिया अभियान चलाया गया, जिससे वह 'निराश' महसूस कर रहे थे।

यह भी बताया गया कि यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों द्वारा दिए गए बयानों से संबंधित साक्ष्य पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के कानूनी विभाग द्वारा एकत्र किए जा रहे हैं। कुछ खिलाड़ी और अधिकारी बुधवार की सुबह एक निजी एयरलाइन की उड़ान से लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। वापस लौटने वाले खिलाड़ियों में नसीम शाह, उस्मान खान और वरिष्ठ प्रबंधक वहाब रियाज शामिल थे। लेकिन, 15 सदस्यीय टीम के कुछ खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने प्रवास को बढ़ाने का फैसला किया। बाबर, इमाद वसीम, हारिस रऊफ, शादाब खान और आजम खान के साथ शनिवार को रवाना होने की उम्मीद है।

प्रतियोगिता के पिछले संस्करण में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में खेलने के बाद पाकिस्तान ग्रुप चरण में चल रहे विश्व कप से बाहर हो गया। पाकिस्तान ने रविवार को फ्लोरिडा में आयरलैंड पर तीन विकेट की जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया जो ग्रुप ए से भारत और यूएसए के सुपर 8 चरण में हार गया था और सुपर 8 में स्थान सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त नहीं था। पाकिस्तान की अगली व्हाइट-बॉल सीरीज नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी। मेन इन ग्रीन तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भाग लेंगे, जिसकी शुरुआत 4 नवंबर से होगी।

डिकॉक का कैच लपकते ही जश्न मनाने लगे मार्क वुड

-थर्ड अंपायर ने खोली पोल, इंग्लैंड खिलाड़ी की धोखेबाजी पकड़ाई

सेंट लुसिया (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 के सुपर-8 के एक रोमांचक मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को हराया। मैच में साउथ अफ्रीका ने छह विकेट पर 163 रन बनाए थे। इसके जवाब में इंग्लैंड टीम छह विकेट पर 156 रन ही बना सकी और सात रन से हार गई। इंग्लैंड लक्ष्य के करीब थे, लेकिन आखिरी तीन ओवरों में मार्को यानसेन, कागिसो रबाडा और एनरिक नोर्त्जे ने शानदार खेल दिखाते हुए साउथ अफ्रीका को जीत दिलाई। इस मैच ने खूब सुर्खियां भी बटोरी हैं।

दरअसल, मार्क वुड ने क्विंटन डिकॉक का कैच लपकने का दावा किया, लेकिन गेंद असल में जमीन छू गई थी। वह जश्न भी मनाने लगे, लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने 22 गेंदों में अर्धशतक जड़कर अपनी टीम की शानदार शुरुआत की। वह रनों की बौछार कर रहे थे तो 9वां ओवर करने आए आदिल राशिद की गेंद पर डिकॉक ने शॉट खेला। स्लॉग स्वीप ने मार्क वुड ने कैच लपकते हुए जश्न मनाया, हालांकि डिकॉक इस कैच को लेकर सहमत नहीं थे। इस बीच अंपायर ने थर्ड अंपायर की मदद मांगी। अंपायर जोएल विल्सन शुरू में डिकॉक को आउट देने के पक्ष में थे। उन्होंने कहा उंगलियां गेंद के नीचे है, लेकिन क्या आप मुझे दूसरा कोण बता सकते हैं? साइड-ऑन शॉट देखने पर उनका मन बदल गया। वह बोले- ऐसा लग रहा है कि गेंद अब जमीन पर है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें लगा कि उंगलियां गेंद के नीचे नहीं हैं। उन्होंने डीकॉक को नॉट आउट करार दिया। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने अंपायरों से फैसले पर बातचीत की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कमेंट्री पर इयोन मोर्गन ने कहा- वुड और बटलर दोनों ही स्पष्ट रूप से खुश नहीं हैं। शॉन पोलक ने महसूस किया कि अंपायर ने सही फैसला किया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि रीप्ले में ऐसा लग रहा है कि गेंद उंगलियों से निकलकर जमीन से टकराई है, इसलिए यह सही फैसला है।

आज ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा अफगानिस्तान

किंग्सटाउन (एजेंसी)। भारत से हारने के बाद अफगानिस्तान को रविवार को टी20 विश्व कप सुपर आठ ग्रुप के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना होगा। सुपर आठ के अपने पहले मुकाबले में भारत से 47 रन से हारने वाली अफगानिस्तान की टीम काफी दबाव में, उस पर जीत ही नहीं बल्कि नेट रन रेट सुधारने का दबाव भी होगा। अफगानिस्तान -2.350 के नेट रन रेट के साथ तीसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान के लिए बल्लेबाजी में रहमानुल्लाह गुरबाज (178 रन) और इब्राहिम जदरान (160) अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन इन्हें मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों से सहयोग की जरूरत है।

फजलहक फारूकी (15 विकेट) और राशिद खान (9) दोनों ने अमेरिकी पिचों पर बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं जिससे दोनों फॉर्म में चल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। अफगानिस्तान ने ग्रुप चरण में हरफनमौला प्रदर्शन किया जिसकी बदौलत वह वेस्टइंडीज के बाद दूसरे स्थान पर रहने में सफल रहा। लेकिन 2021 की विजेता ऑस्ट्रेलिया को रोकने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा है। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम की बात करे तब डेविड वार्नर (169 रन) और ट्रेविस हेड (179) की विस्फोटक सलामी जोड़ी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां ड़ाने में माहिर, लेकिन राशिद और फारूकी अपनी गेंदबाजी से प्रभाव डाल सकते हैं। दोनों टीमें पिछली बार 2023 वनडे

विश्व कप में एक दूसरे के आमने सामने हुई थीं। मुंबई में ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार दोहरा शतक जड़ा था जबकि पैट कमिंस ने दूसरे छोर पर उन्हें मजबूत सहयोग दिया था।

अफगानिस्तान निश्चित रूप से उस हार का बदला लेना चाहेगा, लेकिन देखना होगा कि राशिद की टीम अपनी योजनाओं को अच्छी तरह आजमा पाती है या नहीं। दक्षिण अफ्रीका की तरह मिचेल मार्श की आस्ट्रेलियाई टीम भी अपने विस्फोटक बल्लेबाजों की बदौलत टूर्नामेंट की मजबूत टीम में से एक है। हालांकि टीम के लिए मैक्सवेल का खराब फार्म चिंता का कारण बना हुआ है। लेकिन उसके पास टिम डेविड के रूप में शानदार खिलाड़ी है, जो बेहतरीन ऑलराउंडर है। मध्य और निचले क्रम में मार्कस स्टोइनिस की मौजूदगी टीम की बल्लेबाजी को और मजबूत बनाती है जिनकी मौजूदा फॉर्म (तीन मैच में 156 रन) शानदार है। स्कॉटलैंड के खिलाफ पिछले मैच में कमिंस की हैट्रिक के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपने क्षेत्ररक्षण में सुधार करने की जरूरत होगी क्योंकि स्कॉटलैंड के खिलाफ उन्होंने कुल छह कैच टपकाए जिसमें से अकेले मार्श ने तीन कैच छोड़े। एडम जम्पा (11) इस विश्व कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। यह लेग स्पिनर तीन तेज गेंदबाजों के बाद टीम के लिए अहम गेंदबाज हैं।

टीम इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया - मिचेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर), डेविड वार्नर और एडम जम्पा।

अफगानिस्तान - राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जदरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जदरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, हजरतुल्लाह जजई, नूर अहमद, नवीन उल हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक।

भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व कप में लगाई स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

अंताल्या (तुर्की)। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमश: विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश भी दिन में कांस्य पदक का मुकाबला खेलेंगे। रिकर्व वर्ग में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा भी दो पदकों की दौड़ में हैं क्योंकि दोनों व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम इस साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरे में 4 मैच की टी20 सीरीज खेलेगी। ये सीरीज नवंबर में होगी। भारतीय पुरुष टीम का दक्षिण अफ्रीका का ये लगातार दूसरा दौरा होगा। इस दौरे में चार टी20 मैचों में से पहला मैच 8 नवंबर को डरबन के किंग्समीड में खेला जाना है। इसके बाद टीमें 10 नवंबर को दूसरे मैच के लिए गेकेबरहा जाएंगी। उसके बाद सेंचुरियन में हाईवेल्ड 13 नवंबर और जोहान्सबर्ग में 15 नवंबर को अंतिम मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम पिछले साल भी दक्षिण अफ्रीका गयी थी पर तब दोनो के बीच सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही थी। तब डरबन में खेला गया मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इस दौरे को लेकर खुश जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई का आभार माना है।

दीप्ति शर्मा का बयान, कहा- 'महज औपचारिकता का मुकाबला नहीं, हम इससे सीखने की कोशिश करेंगे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शनिवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मुकाबले को भारत महज औपचारिकता का मैच नहीं मानेगा बल्कि टीम पिछले मैचों की बढ़त को मजबूत करना चाहेगी।

बता दें कि, भारत ने पहले दो मैच 143 और चार रन से जीतकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली है। दीप्ति ने मैच से पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''हां, हमने श्रृंखला जीत ली है लेकिन हम इस मैच को सिर्फ औपचारिकता के रूप में नहीं देखेंगे। हमें जो भी मौके मिलेंगे हम उनसे सीखने की कोशिश करेंगे क्योंकि हम इस सप्ताह के अंत में (चेन्नई में) एकमात्र टेस्ट खेलने जा रहे हैं।''

इस ऑफ स्पिनर ने पहले मैच में अपने ऑलराउंड कौशल का प्रदर्शन किया था करते हुए महत्वपूर्ण 37 रन बनाए थे जिससे टीम पांच विकेट पर 99 रन की मुश्किल स्थिति से उबरने में सफल रही। उन्होंने इसके बाद मैच में दो विकेट भी चटकाए। दीप्ति ने कहा, ''मुझे दबाव की स्थिति का सामना करना पसंद है। मेरी सोच बहुत स्पष्ट है। मैं हमेशा टीम को जीत दिलाना चाहती हूं या टीम को जीत की स्थिति में पहुंचाना चाहती हूं, फिर चाहे वह मेरी बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी।÷

दोनों मैचों में भारत के शीर्ष क्रम ने धीमी शुरुआत की जिसके बाद बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में टीम ने तेजी

से रन जुटाए। दीप्ति ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने श्रृंखला में अच्छा अनुकूलन कौशल दिखाया। उन्होंने कहा, ''सलामी बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार खेलीं। शुरुआती ओवरों में गेंद थोड़ी घूम रही थी और उन्होंने इसे ध्यान में रखकर खेला। उन्होंने अच्छी तरह से अनुकूलन किया।''

दीप्ति ने कहा, ''10 से 12 ओवर के बाद हमने कुछ अच्छी साझेदारियां बनाईं। उन्होंने रन बनाने के हर अवसर का फायदा उठाया और यह हमारे लिए सकारात्मक है - जिस तरह से हमने बाद में इसका फायदा उठाया।'' दीप्ति ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अपने क्षेत्ररक्षण को सुधारने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमने एक क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में सुधार किया है। आप पूजा (शतक जड़ने वाली मारिजेन कैप को आउट करने के लिए वस्त्राकर का कैच) द्वारा लिया गया शानदार कैच देख सकते हैं। इससे (दूसरे वनडे में) हमारी लय बदल गई और हम एक इकाई के तौर पर अपने क्षेत्ररक्षण पर और काम कर रहे हैं।

एंडी मरे पीठ की चोट से निपटने के लिए लेंगे सर्जरी का सहारा

लंदन। पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे विंबलडन या पेरिस ओलंपिक में खेलने की कोशिश के बारे में कोई फैसला लेने से पहले पीठ की चोट से निपटने के लिए शनिवार को सर्जरी करवाएंगे। 37 साल के मरे ने पीठ दर्द के कारण बुधवार को क्वींस क्लब में अपने दूसरे दौर के मैच को बीच में ही छोड़ दिया था, तब वह जॉर्डन थॉम्पसन से 1-4 से पीछे चल रहे थे। ब्रिटेन के इस खिलाड़ी ने मुकाबले के शुरू होने से पहले ही अपने दाहिने पैर में परेशानी की शिकायत की थी। मरे पिछले कई साल से लगातार अलग-अलग चोट का सामना कर रहे हैं। दो बार के विम्बलडन विजेता मरे ने इस साल के अंत में संन्यास लेने का संकेत दिया है। उनकी प्रबंधन टीम ने पुष्टि की कि शनिवार को उनकी सर्जरी की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं दी गई। ऑल इंग्लैंड क्लब (विम्बलडन) में पहले दौर का खेल एक जुलाई से शुरू होगा।

पुरानी चयन समिति वाली व्यवस्था बहाल करेगा पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को प्रदर्शन टी20 विश्व कप में इस बार बेहद खराब रहा और वह सुपर आठ में भी नहीं पहुंच पायी। उसके बाद से ही पाक क्रिकेट में उथल-पुथल मची हुई है। प्रशंसकों की नाराजगी को देखते हुए अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चयन समिति में बदलाव पुरानी चयन समिति वाली व्यवस्था पर लौटने जा रहा है। इसका कारण है कि कोई मुख्य चयनकर्ता नहीं रखने का प्रयोग विफल रहा है। पाक टीम को भारत के अलावा अमेरिका जैसी नई टीम से भी हार का सामना करना पड़ा है। इसी को देखते हुए अब पीसीबी पुरानी व्यवस्था पर लौट सकता है जिसमें एक मुख्य चयनकर्ता और दो या तीन चयनकर्ता होते थे। इसमें चयन बैठकों में कप्तान और मुख्य कोच नहीं बैठते थे। ऐसे में अब टी20 विश्व कप की टीम चुनने वाली चयन समिति के सदस्य रहे पूर्व तेज गेंदबाज वहाब रियाज नए मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। वह पुरानी प्रणाली के समय चयन समिति में शामिल थे। वहीं नई व्यवस्था में कप्तान बाबर आजम और मुख्य कोच और गैरी कर्स्टन के अलावा डाटा विश्लेषक और पूर्व क्रिकेट मोहम्मद युसूफ, वहाब, असद शफीक और अब्दुल रज्जाक थे पर ये प्रयोग कारगर नहीं रहा।

टी20 वर्ल्डकप 2024 छक्के-चौकों की बारिश से महरुम, क्रिकेट प्रेमी निराश

- टूर्नामेंट के 44वां मैच तक 729 चौके और 389 छक्?के ही लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्?डकप में अब तक बल्लेबाजों का जलवा देखने को नहीं मिला जिसका लोग इंतजार कर रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह विकेटों का धीमा और आउट फील्ड का स्लो होना है। मैचों में ज्यादा रन नहीं बन सके। गेंदबाजों के बल्लेबाज पर दबाव को इसी बात से समझा जा सकता है कि टूर्नामेंट में अब एक दर्जन से कम मैच बाकी हैं और सिर्फ चार बार ही 200+ रन बन पाए हैं। टूर्नामेंट में ऐसे भी मैच देखने को मिले हैं जिसमें भारत, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश की टीमों ने 120 से कम रन बनाकर डिफेंड किया। रन ही नहीं, चौकों-छक्कों के मामले में भी इस टूर्नामेंट ने क्रिकेटप्रेमियों को निराश किया है। सुपर-8 के बांग्लादेश-ऑस्ट्रेलिया मैच जो टूर्नामेंट का 44वां मैच था जब तक 729 चौके और 389 छक्के ही लगे। प्रति मैच छक्कों का औसत 8.84 और चौकों का 16.56 के आसपास है जबकि टी20 में इससे अधिक छक्के और चौके तो किसी एक मैच की एक पारी में लग जाते हैं। यह स्थिति तब है जब सुपर-8 राउंड से सारे मुकाबले वेस्?टइंडीज में होने हैं जहां के विकेट अमेरिका की तुलना में बल्लेबाजी के लिए अच्छे हैं। उम्मीद है कि ग्रुप मैचों में गेंदबाजों का राज रहने के बाद अब आगे के मैचों में बल्लेबाजों का राज देखने को मिलेगा और चौकों-छक्कों की बरसात से क्रिकेट प्रेमी आनंद ले सकेंगे।

टी20 विश्वकप में अब तक लगे कम छक्कों का असर दिग्गज बल्लेबाजों के खाते में भी दिख रहा है। सुपर-8 में पहुंची ऑस्?ट्रेलिया टीम के मैथ्यू वेड, बांग्लादेश के शाकिब-अल-हसन और भारत के रवींद्र जडेजा शामिल हैं। वेड का यह चौथा टी20 वर्ल्डकप है जबकि शाकिब अब तक के सभी नौ टी20 वर्ल्?डकप में खेले हैं। जडेजा का भी यह छठा टी20 वर्ल्डकप है। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर वेड ने इस टी20 वर्ल्ड कप के पांच मैचों की दो पारियों में 15 गेंदों पर 140.00 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं लेकिन उनके बैट से अब तक छक्का नहीं लगा है। यह सही है कि वेड को अब तक खेलने के लिए ज्यादा पारियां और गेंदें नहीं मिली हैं लेकिन उनकी छवि शुरुआत से ही गेंदबाजों पर हावी होकर खेलने की है।

बता दें, वेड 90 टी20 में 46 छक्के लगा चुके हैं। वे 2021 के टी20 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल के 19वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी की गेंद पर लगातार छक्के लगाकर ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में पहुंचाया था। इस वर्ल्डकप के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बनी थी। इस मैच में वेड ने महज 17 गेंदों पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 41 रनों की पारी खेली थी और खेल का रुख पलटते हुए टीम की जीत संभव हुई थी।

दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर्स शाकिब अब तक 127 टी20 में 52 छक्के लगा चुके हैं। मौजूदा वर्ल्डकप में पांच मैचों में 96 गेंदों का सामना करते हुए उन्होंने एक अर्धशतक की मदद से 100 रन (औसत 25.00, स्?ट्राइक रेट 104.16) बनाए हैं लेकिन इसमें एक भी छक्का नहीं लगा सके हैं। टी20 वर्ल्डकप के 41 मैचों में शाकिब ने अब तक 73 चौकों व 23 छक्?कों की मदद से 842 रन बनाए हैं जबकि सबसे अधिक 49 विकेट लिए हैं। वहीं इंडिया टीम के रवींद्र जडेजा भी इस टूर्नामेंट में

छक्का नहीं मार सके। इन तीनों खिलाड़ियों की टीमें सुपर-8 में पहुंच चुकी हैं। उम्मीद है कि आगे के मैचों में क्रिकेट प्रेमी और इनके फैंस इन्हें छक्का लगाते देख पायेंगे।

चाचा के नाम से मशहूर पाकिस्तान के इफ्तिखार अहमद से भी टी20 वर्ल्डकप में बल्ला रूठा रहा। वह दो मैचों में 25 रन ही बना पाए। इफ्तिखार अब तक 66 टी20 में 44 छक्के लगा चुके हैं। वर्ल्डकप (वनडे) 2023 में न्यूजीलैंड के भारतीय मूल के प्लेयर रचिन रवींद्र भी इस टी20 वर्ल्डकप को बुरा सपना मानकर भूलना चाहेंगे। तीन मैचों में एक बार नाबाद रहते हुए 17 रन ही बना पाए जिसमें न कोई छक्का है और न चौका। टी20 वर्ल्डकप 2024 के 'स्तरहीन' पिचों ने कई और बल्लेबाजों को भी इसी तरह शर्मसार किया है। बता दें, भारत में पिछले साल हुए वर्ल्डकप (वनडे) में रचिन रवींद्र टॉप-4 बल्लेबाजों में थे। उन्होंने दस मैचों में तीन शतकों के साथ 578 रन बनाए थे जिसमें 17 छक्के लगाए थे। इसी तरह कुसल मेंडिस ने वनडे वर्ल्डकप ने 15 और इफ्तिखार ने 8 छक्के लगाए थे।

मार्क जोथनपुइया तीन साल के करार के साथ ईस्ट बंगाल एफसी से जुड़े

ईस्ट बंगाल एफसी ने शनिवार को भारत के उभरते हुए अंडर-23 खिलाड़ी मार्क जोथनपुइया के साथ तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह करार 2026-27 सत्र के आखिर तक प्रभावी रहेगा। जोथनपुइया के पास मिडफील्ड और रक्षापंक्ति दोनों जगहों पर खेलने की क्षमता हैं। ईस्ट बंगाल एफसी परिवार में जोथनपुइया का स्वागत करते हुए इमामी समूह के विभाष वर्धन अग्रवाल ने कहा, ''मार्क भारत के सबसे बहुमुखी युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने की कोशिश करेंगे।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या आप जानते हैं किसने की थी कॉफी की खोज? इसके पीछे का इतिहास जानकर रह जाएंगे दंग!

आप भी आज के समय में कॉफी की आउटलेट्स को विभिन्न स्थानों पर देखते हैं, जैसे एयरपोर्ट, मॉल, रेस्तरां और बाजारों में यह कहीं न कहीं उपलब्ध होते ही हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कॉफी की खोज किसने की थी? और इसका व्यापार किस तरीके से पूरी दुनिया में पहुंचा है? जब आप एक कप कॉफी उठाते हैं, तो आपके सामने एक ऐतिहासिक कहानी खड़ी होती है। आइए जानते हैं कि कॉफी की खोज कैसे हुई और आजकल कौन-कौन से देशों में इसका उत्पादन होता है।

कैसे हुई कॉफी की खोज

जानकारी के अनुसार, इथियोपिया में 9वीं शताब्दी के दौरान कॉफी की खोज की गई थी। उस समय, गड़रिए नामक एक देहाती ने अपने भेड़ों को जंगल में छोड़ दिया था। वहीं उसने देखा कि उसके भेड़ कुछ लाल बेरीज खा रहे हैं, जिसके बाद वे काफी उत्साहित और कूद-फांद करने लगे थे। जिसके बाद गड़रिए ने भी बेरीज का स्वाद चखा और महसूस किया कि इससे उन्हें ताजगी और ऊर्जा मिल रही है। इस अनुभव के बाद, उन्होंने बेरीज को तोड़कर साथ ले लिया और साधुओं के पास ले गए।

साधुओं ने चखा कॉफ़ी का स्वाद

दरअसल साधुओं ने इस बेरी के साथ कुछ विशेष नहीं किया। एक साधु ने उसे जलते हुए आग में फेंका, लेकिन जब कॉफी जली, उसकी खुशबू ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। तो साधुओं को भी इसमें विशेष नजर आया। फिर बेरी को कुटकर गर्म पानी में डाला गया और साधुओं ने इसे पीने के बाद भी ऊर्जा और सुख अनुभव किया।

होता है सबसे ज्यादा कॉफी का उत्पादन?

हालांकि आज के समय में कॉफी का उत्पादन विशेषकर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, बड़े परिवर्तनों का सामना कर रहा है। वर्तमान में, ब्राजील दुनिया में सबसे अधिक कॉफी उत्पादक देश है, जहां वर्षावन के कारण प्रचुर मात्रा में कॉफी पैदा होती है। इसके बाद, वियतनाम, पेरू, और इंडोनेशिया कुछ अन्य महत्वपूर्ण कॉफी उत्पादकों में शामिल हैं। भारत भी कॉफी की उत्पादन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, हालांकि वैज्ञानिकों के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के कारण इसमें कमी हो रही है। यदि यह स्थिति जारी रही, तो कॉफ़ी की उत्पादन घटने की संभावना है, जिससे कॉफी की उपलब्धता पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

क्या है मैजिकल नंबर 6174

बड़े-बड़े गणितज्ञ भी नहीं सुलझा पाए भारत की ये पहेली

6174. जी हां, ये चार नंबर आपको दिखने में सामान्य लगेंगे. लेकिन सामान्य से बढ़कर हैं और इन्हें मैजिकल नंबर का दर्जा दिया गया है. आप इस नंबर को बोलें तो लगेगा कि इसमें क्या चमत्कारी या मैजिकल हो सकता है. लेकिन गणित की दुनिया में जब भी इसका उपयोग किया जाता है, अच्छे-अच्छे एक्सपर्ट की जुबां बंद हो जाती है. इसे मैजिकल नंबर इसलिए कहा जाता है क्योंकि 1949 से लेकर अब तक यह पहेली बनी हुई है और कई गणितज्ञ इस पहेली को सुलझाने में लगे रहे हैं, लेकिन कामयाबी हाथ नहीं लगी है.

6174 को अंग्रेजी की भाषा में काप्रेकर कॉन्सटेंट भी कहते हैं जिसका नामकरण भारत के महान गणितज्ञ रामचंद्र काप्रेकर से जुड़ा है. उनका पूरा नाम दत्तात्रेय रामचंद्र काप्रेकर था जिन्हें संख्याओं को लेकर प्रयोग करने का बेहद शौक था. उनके कई प्रयोगों में 6174 भी है जिसे उन्होंने दुनिया के सामने रखा. इसकी कहानी कुछ ऐसी है कि साल 1949 में एक गणित सम्मेलन हुआ जिसमें रामचंद्र काप्रेकर भी शामिल हुए थे. इसी सम्मेलन के जरिये काप्रेकर ने इन चार संख्याओं को दुनिया के सामने रखा. काप्रेकर मुंबई के एक छोटे से कस्बे में गणित पढ़ाते थे और हर दिन गणित की संख्याओं के साथ प्रयोग किया करते थे. इसी प्रयोग का नतीजा है कि दुनिया को यह चमत्कारी संख्या हाथ लगा.

पूरी दुनिया लगी है खोज में

इस मैजिकल नंबर की खोज को जहां भारतीय गणितज्ञों ने खारिज कर दिया, वही दुनिया के कई गणितज्ञों ने इस पर गहन शोध किया और लोगों के सामने रोचक जानकारी रखी. आज काप्रेकर की खोज पर भारत सहित दुनिया भर के देशों में काम हो रहा है. आखिर साधारण से ये 4 नंबर इतने चमत्कारी क्यों माने जाते हैं? इसके पीछे मूल वजह क्या है, आइए जानते हैं.

कंप्यूटर भी आजमा चुका प्रयोग

इसके बारे में एक ऑनलाइन मैग्जिन प्लस मिनिशियामा ने लिखा है कि 6174 को पाने के लिए चार अंकों को एक साथ पाने के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया गया लेकिन चार संख्या अलग-अलग रखने पर भी अंत में वही चमत्कारी संख्या 6174 ही मिली. काप्रेकर ने यह काम 7 चरणों में किया था. कंप्यूटर का इस्तेमाल करने के बाद भी 7 चरणों का नतीजा यही संख्या मिली. पत्रिका बताती है कि बढ़ते और घटते क्रम के साथ घटाव करने पर 7 चरणों के बाद 6174 रिजल्ट के रूप में नहीं आता है, इसका मतलब हुआ कि कहीं न कहीं जरूर गड़बड़ी हुई है. यह गड़बड़ी घटाव करने में हो सकती है.

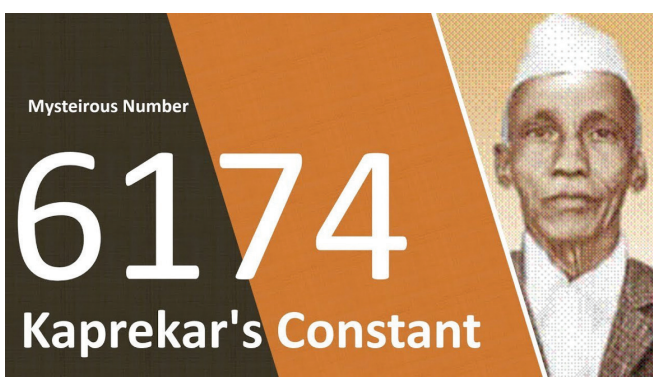

भारतीय गणितज्ञ की खोज है मैजिक नं. 6174

भारतीय गणितज्ञ दत्तात्रेय रामचंद्र काप्रेकर (1905-1986) को संख्याओं के साथ प्रयोग करना बेहद पसंद था। इसी प्रयोग की प्रक्रिया में उनका परिचय इस रहस्यमयी संख्या 6174 से हुआ। साल 1949 में मद्रास में हुए एक गणित सम्मेलन में काप्रेकर ने दुनिया को इस संख्या से परिचित कराया। वो कहा करते थे, जिस तरह मदहोश बने रहने के लिए एक शराबी शराब पीता है। संख्याओं के मामले में मेरे साथ भी बिल्कुल ऐसा ही है। हालांकि उनकी खोज का मजाक उड़ाया गया और भारतीय गणितज्ञों ने इसे खारिज कर दिया। लेकिन धीरे-धीरे उनकी खोज को लेकर भारत और विदेशों में चर्चा होने लगी। 1970 के दशक तक अमेरिका के बेस्ट सेलिंग लेखक और गणित में रुचि रखने वाले मार्टिन गार्डर ने उनके बारे में एक लोकप्रिय साइंस मैग्ज़ीन साइंटिफिक अमेरिका में लिखा। ओसाका यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर युताका निशियामा का कहना है, संख्या 6174 वाक़ई बहुत रहस्यवादी संख्या है। आज काप्रेकर और उनकी खोज को मान्यता मिल रही है और इस पर दुनिया भर के गणितज्ञ काम कर रहे हैं। इसकी वजह क्या है? ये संख्या क्यों इतनी मैजिकल है? इसे समझने के लिए आगे बताए जा रहे कुछ दिलचस्प तथ्यों को देखिए। कोई भी चार अंकों की संख्या अपने मन से चुनिए, लेकिन कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। उदाहरण के लिए 1234 ले लेते हैं।

इन्हें घटते क्रम में लिखें - 4321
अब इन्हें बढ़ते क्रम में लिखें - 1234
अब बड़ी संख्या से छोटी संख्या को घटा दें - 4321 - 1234
अब नतीजे में मिली संख्या के साथ फिर से घटते और बढ़ते क्रम में लिखें।
आइए इसे करके देखते हैं-
4321 - 1234 = 3087

इन अंकों को घटते क्रम में रखें - 8730
अब इन्हें बढ़ते क्रम में रखें - 0378
अब बड़ी संख्या में से छोटी संख्या को घटा दीजिए - 8730 - 0378 = 8352
नतीजे में मिली संख्या के साथ ऊपर की तीनों प्रक्रियाओं को दोहराईए।
आइए, संख्या 8352 के साथ यही करके देखते हैं-
8532 - 2358 = 6174
6174 के साथ इस प्रक्रिया को दोहराते हैं। यानी बढ़ते और घटते क्रम में रखने के बाद घटाएं।
7641 - 1467 = 6174
जैसा कि आप देख सकते हैं, इसके बाद फिर से ये प्रक्रिया दोहराने का कोई मतलब नहीं। क्योंकि वही नतीजे मिलेंगे - 6174
लेकिन हो सकता है कि आप सोचें कि ये महज संयोग है। तो चलिए किसी दूसरे नंबर के साथ ये प्रक्रिया दोहराते हैं। मान लीजिए 2005 को लेते हैं। इसके साथ ऊपर दी गई प्रक्रियाएं दोहराएंगे।
5200 - 0025 = 5175
7551 - 1557 = 5994
9954 - 4599 = 5355
5553 - 3555 = 1998
9981 - 1899 = 8082
8820 - 0288 = 8532
8532 - 2358 = 6174
7641 - 1467 = 6174
आप खुद देख सकते हैं, चाहे कोई भी चार अंक आप चुनें। अंतिम नतीजा 6174 ही मिलता है और इसके बाद उसी प्रक्रिया के साथ यही नतीजा मिलना जारी रहता है। इस फॉर्मूले को कैप्रेकर्स कॉन्स्टेंट कहते हैं।
एक ऑनलाइन मैग्ज़ीन +प्लस में निशियामा ने लिखा कि कैसे उन्होंने संख्या 6174 को पाने के लिए सभी चार अंकों के साथ प्रयोग करने के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया था। लेकिन हर चार अंकों की संख्या, जिसमें सभी अंक अलग अलग हों, काप्रेकर की प्रक्रिया के तहत सात चरण में संख्या 6174 तक ही पहुंच रही थी। निशियामा के अनुसार, अगर आप काप्रेकर की प्रक्रिया को सात बार दोहराने के बाद भी 6174 तक नहीं पहुंच पाते हैं, तो आपने जरूर कोई गलती की है और आपको फिर से कोशिश करनी चाहिए।

हजारों साल का इतिहास उजागर करती हैं ये शानदार चट्टानी मूर्तियां

अमेरिका के यूटा राज्य में स्थित ये नेशनल पार्क मेहराबों यानि की आर्चेस के लिए प्रसिद्ध है। 310 वर्ग किलोमीटर में फैले इस पार्क में बलुआ पत्थ से बनीं ऐसी दो हज़ार मेहराबें है। इसी के चलते इस पार्क को आर्चेस पार्क के नाम से जाना जाता है। ये आर्च पार्क की विश्वविख्यात डेलिकेट आर्च है, जो पूर्णिमा के चांद के साथ किसी आंख के समान नज़र आती है। इस मशहूर आर्च के साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए पर्यटक यहां खासतौर से आते हैं।

आर्चेस नेशनल पार्क देश में प्राकृतिक संरचनाओं का सबसे बड़ा संकेन्द्रण है। इस पार्क में 2,000 से ज्यादा प्राकृतिक मेहराब हैं - जो देश में सबसे ज्यादा हैं। लेकिन परिदृश्य की भव्यता के आगे संख्याओं का कोई महत्व नहीं है - मेहराब, विशाल संतुलित चट्टानें, शिखर, शिखर और विशाल आकाश के सामने स्लिकरॉक गुंबद।

कोलोराडो नदी के ऊपर स्थित यह पार्क दक्षिणी यूटा के विस्तारित घाटी क्षेत्र का हिस्सा है, जो अपक्षय और कटाव के युगों से बना और आकार ले रहा है। लगभग 300 मिलियन वर्ष पहले, अंतर्देशीय समुद्रों ने इस क्षेत्र को बनाने वाले बड़े बेसिन को कवर किया था। समुद्र फिर से भर गए और वाष्पित हो गए - कुल 29 बार - जिससे हजारों फीट मोटी नमक की परतें पीछे रह गईं। बाद में, ऊपरी इलाकों से नदियों द्वारा बहाए गए रेत और पत्थरों ने अंततः नमक की परतों को पत्थर की मोटी परतों के नीचे दबा दिया। चूँकि नमक की परत चट्टान के ऊपरी आवरण की तुलना में कम घनी होती है, इसलिए यह इसके माध्यम से ऊपर उठती है, जिससे यह गुंबदों और लकीरों में बदल जाती है, जिसके बीच में घाटियाँ होती हैं।

आर्चेस में अधिकांश संरचनाएं 150 मिलियन वर्ष पहले जमा किए गए नरम लाल बलुआ पत्थर से बनी हैं। बहुत बाद में, भूजल ने अंतर्निहित नमक जमा को घोलना शुरू कर दिया। बलुआ पत्थर के गुंबद ढह गए और पंख नामक ऊर्ध्वाधर चट्टान स्लैब के भूलभुलैया में बदल गए। इन पतली दीवारों के खंड अंततः घिस गए, जिससे शानदार चट्टान की मूर्तियाँ बनीं जिन्हें आर्चेस आने वाले लोग आज भी देखते हैं।

इस भूमि का एक कालातीत, अविनाशी रूप है जो भ्रामक है। हर साल 700,000 से अधिक आगंतुक नाजुक उच्च रेगिस्तानी पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डालते हैं। एक चिंता का विषय जैविक मिट्टी की परत नामक एक काला पैमाना है जो पार्क में रेतीले क्षेत्रों में उगने वाले साइनोबैक्टीरिया, शैवाल, कवक और लाइकेन से बना है। इस जीवित समुदाय में ट्रैक किए गए पैरों के निशान सालों तक दिखाई दे सकते हैं। वास्तव में, शुष्कता सदियों तक पिछली गतिविधि के निशानों को संरक्षित करने में मदद करती है। आगंतुकों से केवल निर्दिष्ट पगडंडियों पर चलने या स्लिकरॉक या वाश बॉटम्स पर रहने के लिए कहा जाता है।

पार्क में 2,000 से ज्यादा मेहराब हैं; मेहराब के तौर पर वर्गीकृत होने के लिए, उद्घाटन की चौड़ाई कम से कम तीन फ़ीट होनी चाहिए। पार्क में सबसे बड़ा मेहराब, लैंडस्केप आर्क, आधार से आधार तक 306 फ़ीट (एक फ़ुटबॉल मैदान से ज़्यादा लंबा) फैला हुआ है। नए मेहराब लगातार बन रहे हैं, जबकि पुराने कभी-कभी ढह जाते हैं - सबसे हाल ही में वॉल आर्क, जो 2008 में गिर गया था। आर्चेस नेशनल पार्क में कुछ इंच से लेकर कई फीट तक की गहराई वाले अस्थायी तालाब हैं, जो वास्तव में मिनी-इकोसिस्टम हैं, जो टैडपोल, फेयरी श्रिम्प और कीड़ों का घर हैं। तालाब बलुआ पत्थर के बेसिनों के बीच, गड्ढों के भीतर बनते हैं जो दुर्लभ वर्षा जल और तलछट को इकट्ठा करते हैं। लगभग 300 मिलियन वर्ष पहले एक अंतर्देशीय समुद्र ने उस क्षेत्र को कवर किया था जिसे अब आर्चेस नेशनल पार्क कहा जाता है। समुद्र 29 से अधिक बार वाष्पित हुआ और फिर से बना, जिससे हजारों फीट मोटी नमक की परतें पीछे रह गईं। पार्क का एक और अनोखा पहलू इसकी घुमावदार काली ज़मीन है, जो वास्तव में जीवित है। एक जैविक मिट्टी की परत, यह शैवाल, लाइकेन और साइनोबैक्टीरिया से बनी है, और रेगिस्तानी पौधों के लिए एक सुरक्षित आधार प्रदान करती है।

140,000 साल पुराने बाल्टिक सागर का सुलझ गया रहस्य!

धरती से लेकर समंदर तक, तरह-तरह के रहस्यों से भरे पड़े हैं. ऐसा माना जाता है कि समंदर की अथाह गहराई में ऐसी कई चीजें छिपी हो सकती हैं, जिनके बारे में इंसानों ने अंदाजा भी नहीं लगाया होगा. बाल्टिक सागर में भी ऐसा ही एक रहस्य छिपा हुआ था, जिसे एक लाख 40 हजार साल पुराना बताया जाता है. दरअसल, बाल्टिक सागर के तल पर एक अजीब सी चीज मौजूद थे, जिसके बारे में पहले कहा जा रहा था कि वो यूएफओ है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने इसकी सच्चाई का पता लगा लिया है कि वो रहस्यमय चीज आखिर क्या है? बाल्टिक सागर में छिपी इस रहस्यमय चीज को गोताखोरों ने ढूंढा था, जो मूल रूप से जहाज के मलबे की खोज कर रहे थे. कुछ लोगों का मानना है कि उस चीज का निर्माण धातु के सीधे और कोणीय टुकड़ों से हुआ है. इसने सालों तक लोगों को हैरान किया, क्योंकि कोई भी निश्चित रूप से ये नहीं जानता था कि ये चीज क्या है या ये वहां कैसे पहुंची. मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, स्वीडिश खोजकर्ता पीटर लिंडबर्ग और डेनिस असबर्ग जून 2011 में 'ओशन एक्स' टीम के हिस्से के रूप में उत्तरी बाल्टिक सागर में खजाने की तलाश में थे जब उनके सोनार रडार ने पानी के नीचे पहाड़ की घाटी में 70 फीट लंबे मिलेनियम फाल्कन जैसे दिखने वाले टुकड़े का पता लगाया.

खोजकर्ताओं ने इस संरचना को एक लंबी सीढ़ी से जोड़ा

दरअसल स्टॉकहोम विश्वविद्यालय के एक शोध में सामने आया है, कि बाल्टिक सागर में उत्पन्न विसंगति वास्तव में हिम युग की अवधि के दौरान समुद्र में हिमनद गतिविधियों के उत्पन्न होने का परिणाम है। इससे स्पष्ट होता है कि इस अज्ञात वस्तु कैसे इस स्थान तक पहुंची। वहीं खोजकर्ताओं ने इस संरचना को एक लंबी सीढ़ी के रूप में जोड़ा है, जो एक अंधेरे छेद तक जाती है और फिर एक और अज्ञात वस्तु तक पहुंचती है। वहीं कुछ लोग अनुमान लगा रहे हैं कि बाल्टिक सागर में खोये गए पानी के नीचे एक शहर के अवशेष हो सकते हैं। जबकि कुछ के अनुसार, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक विदेशी यूएफओ बेड के सदस्य की एक क्रूज समुद्र तल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी या हो सकती है, वहीं ऐसा हो सकता है कि इससे किसी प्रकार की पनडुब्बी रोधी उपकरण बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

इसके करीब आने से बंद हो जाते हैं उपकरण

इसके बावजूद कि यह एक बड़ी चट्टान के समान लग रहा है, कुछ वैज्ञानिकों ने इसे प्राकृतिक सामग्रियों का नहीं बताया और कहा कि यह वास्तव में धातु से बना होने के कारण यह किसी के द्वारा निर्मित हो सकती हैं। ओशन एक्स के गोताखोर स्टीफ़न होगरबॉर्न के अनुसार, यहां का सबसे रहस्यमयी बात यह है कि इसके करीब आने से सभी बिजली और सैटेलाइट से चलने वाले उपकरण बंद हो जाते हैं। स्टॉकहोम विश्वविद्यालय के भूविज्ञानी वोल्कर ब्रुचर्ट ने अध्ययन किया और खुलासा किया कि यह अधिकांश ग्रेनाइट हैं और नाइस और बलुआ पत्थर का बना हैं इसमें कुछ भी रहस्यमय नहीं है, यह ज्वालामुखीय चट्टान हो सकता है, मेरी परिकल्पना है कि यह वस्तु, यह संरचना हिम युग के दौरान हजारों की संख्या में बनी थी।

रहस्यमय संरचना को लोगों ने बताया यूएफओ

एक बड़ी चट्टान की तरह दिखने वाली इस रहस्यमय संरचना को लेकर कई अटकलें लगाई गईं. कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि यह अटलांटा के खोए हुए शहर के अवशेष हो सकते हैं, तो कुछ ने कहा कि ये किसी दुर्घटनाग्रस्त यूएफओ के अवशेष होंगे. वहीं, कुछ वैज्ञानिकों ने कहा है कि यह प्राकृतिक चीजों से नहीं बना है बल्कि यह धातु से बना है. ओशन एक्स के गोताखोर स्टीफन होगरबॉर्न ने बताया कि 'जब हम उस वस्तु के ऊपर थे तो वहां मौजूद किसी भी बिजली की चीज और सैटेलाइट फोन ने भी काम करना बंद कर दिया. फिर जब हम लगभग 200 मीटर दूर चले गए, तो यह फिर से चालू हो गया'.

अब पता चली सच्चाई

स्टॉकहोम में मैरिटाइम म्यूजियम के मरीन आर्कियोलॉजिस्ट गोरान एकबर्ग ने कहा, 'इसके प्राकृतिक, भूवैज्ञानिक संरचना से इंकार नहीं किया जा सकता है. मैं मानता हूं कि यह खोज अजीब लगती है, क्योंकि यह पूरी तरह से गोलाकार है, लेकिन प्रकृति ने इससे भी अजीब चीजें पैदा की हैं'. उनका मानना है कि बाल्टिक सागर में मौजूद ये रहस्यमय चीज हिम युग के दौरान समुद्र के उस क्षेत्र में हुई हिमनद गतिविधियों की प्रक्रिया के अवशेष हैं.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तुर्की में भारत के राजदूत पॉल का निधन, विदेश मंत्री ने जताया दुख

अंकारा। तुर्की में भारत के राजदूत वीरेंदर पॉल का कल शुक्रवार को निधन हो गया। उक्त जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी है। उनके निधन पर विदेश मंत्री ने दुख जताया और कहा कि यह भारतीय विदेश सेवा के लिए एक बड़ी क्षति है। गौरतलब है कि वीरेंद्र पॉल 1991 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं।

उनके निधन पर विदेश मंत्रालय के एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा गया कि हम तुर्की में भारत के राजदूत वीरेंदर पॉल के असामयिक निधन से दुखी हैं। उन्हें उनके असाधारण मानवीय गुणों और प्रभावशाली पेशेवर योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। यहां विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पॉल के निधन पर गहरा दुख जताते हुए इसे भारत के लिए बड़ी क्षति बताया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर लिखा, तुर्की में हमारे राजदूत वीरेंद्र पॉल के निधन से गहरा दुख हुआ। भारतीय विदेश सेवा के लिए यह एक बड़ी क्षति है। मैंने उनकी कई पोस्टिंग में उनके साथ मिलकर कार्य किया है। हमेशा उनकी प्रतिबद्धता और सेवा की प्रशंसा की है और उनके कई योगदानों को महत्व दिया है। यहां बताते चलें कि विरेंद्र पॉल अंकारा में भारत के राजदूत नियुक्त होने से पहले अफ्रीकी देश केन्या के उच्चायुक्त, सोमालिया में राजदूत समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके थे। उन्हें पंजाबी, हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही साथ रुसी भाषाओं का भी अच्छा ज्ञान था।

ताइवान के साथ किया रक्षा सौदा... अमेरिकी विमानन कंपनी को चीन ने किया ब्लैकलिस्ट

बीजिंग । चीन ने कहा कि अमेरिकी विमानन निर्माता कंपनी लॉकहीड मार्टिन कॉर्प के ताइवान के साथ हथियार सौदों पर हस्ताक्षर करने पर कंपनी, उसके कई व्यावसायिक इकाइयों और उसके तीन अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया है। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है, इस चीन अपना क्षेत्र होने का दावा करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि कंपनी के ताइवान के साथ सहयोग देश की संप्रभुता का उल्लंघन है। चीन ताइवान की सरकार को समर्थन देने वाले किसी भी बाहरी सौदे के लिए इसी शब्दावली का इस्तेमाल करता है। प्रतिबंधों का प्रभाव काफी हद तक प्रतीकात्मक प्रतीत होता है, क्योंकि 1989 में बीजिंग और अन्य शहरों में छात्रों के नेतृत्व वाले लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शनों पर चीन की सेना की कार्रवाई के बाद से अमेरिका और चीन के बीच सैन्य सहयोग निलंबित है। प्रतिबंधों के अंतर्गत लॉकहीड मार्टिन मिसाइल सिस्टम इंटीग्रेशन लैब, लॉकहीड मार्टिन एडवांस्ड टेक्नोलॉजी लैबोरेटरीज और लॉकहीड मार्टिन वेंचर्स का नाम शामिल है। शीर्ष अधिकारियों जेम्स डोनाल्ड टेकलेट, फ्रैंक एंड्रयू सेंट जॉन और जीसस मालवे को चीन की यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

पाकिस्तान में आंतकी हमले में पांच सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों के हमले में पांच सैनिकों की मौत हुई है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने बताया कि कुर्रम जिले में सुरक्षा बलों के वाहन पर विस्फोट किया गया। हमले में मारे गए सैनिकों की उम्र 24 से 33 वर्ष के बीच थी। फिलहाल किसी आतंकवादी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

राहत शिविरों पर इजराइली हमला, 25 की मौत, 50 घायल

गाजा। गाजा में हमास-इजराइल के बीच जंग जारी है। इजराइल की सेना ने शुक्रवार को रफाह शहर के उत्तरी हिस्से में विस्थापित फलस्तीनियों के लिए बनाए गए शिविरों पर हमला किया, जिसमें कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 घायल हो गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय और आपातकालीन कर्मचारियों ने जानकारी दी कि रफाह में प्रत्यक्षदर्शियों ने बचावकर्मियों को तटीय क्षेत्र में दो स्थानों पर गोलाबारी के बारे में बताया। इन हमलों में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। कई देशों और यूएन के दबाव के बाद भी इजराइल विस्थापित राहत शिविरों को अपना निशाना बना रहा है जिसमें मासूम लोगों की जान जा रही है।

अल सल्वाडोर में भारी बारिश से अब तक 19 की मौत, आपातकाल घोषित

वाशिंगटन। मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर में भारी बारिश से छह और लोगों की मौत हो गई। राजधानी के बाहरी इलाकों में मकानों की दीवारें गिरने और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक जान गंवाने वालों की संख्या 19 तक पहुंच गई है। ग्वाटेमाला के प्रशांत तट और मेक्सिको की खाड़ी में दो मौसमीय परिस्थितियों के कारण उष्णकटिबंधीय चक्रवात अल्बर्टो विकसित हुआ है और इसके असर से दक्षिणी मेक्सिको और मध्य अमेरिका में भारी बारिश हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स् के मुताबिक शहर में भारी बारिश के कारण रेड अलर्ट जारी कर दिया गय है वहीं शीर्ष अधिकारियों ने 15 दिन के लिए राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एक मकान के गिरने से पांच और सात साल की दो बच्चियों समेत छह लोगों की मौत हो गई है। विभाग ने लोगों को भूस्खलन के खतरे को लेकर चेतावनी दी है और कहा है कि बारिश के कारण पानी जमा होने से दीवारों के गिरने का खतरा है। सल्वाडोर के अधिकारियों ने देशभर में 150 शिविर तैयार किए हैं, जिनमें से 82 शिविरों में 1,212 नाबालिगों सहित 2,582 लोग को रखा गया है।

मशहूर इंफ्लूएंसर फराह की हार्ट अटैक से मौत, फैंस को लगा झटका

लॉस एंजेलस। सोशल मीडिया पर चर्चित ब्यूटी इंफ्लूएंसर फराह एल काधी लोगों के बीच पहचान बनाने के बाद इस दुनिया को अलविदा कह गई हैं। उनकी अचानक मौत ने उनके फैंस काफी दुखी हैं। यह सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर फराह ट्यूनीशिया की रहने वाली थी, जिसने अपनी ब्यूटी से लोगों के दिल में जगह बना ई थी । बताया जा रहा है कि इंफ्लूएंसर फराह माल्टा में एक यॉट पर छुट्टियां मनाने गई थीं, तभी उन्हें हार्ट अटैक आया और वह अचानक यॉट में गिर पड़ीं, ये देखकर लोग हैरान रह गए तुरंत उन्हें वहां से निकालकर अस्पताल ले जाया गया, डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गईं। फराह के निधन से उनके फैंस को बड़ा झटका लगा है। बता दें, फराह एल काधी को सोशल मीडिया पर एक मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। वह जानी-मानी इंफ्लूएंसर होने के साथ ही एक प्राइवेट कंपनी में आर्किटेक्ट भी थीं और फैफ के फैशन ब्रांड बाजार की मालकिन भी थीं। फराह एल काधी को लव आइलैंड माल्टा की पहली सीरीज के लिए भी जाना जाता है।

पुतिन से मुलाकात के बाद तेवर में तानाशाह...करवा रहा दीवार का निर्माण

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया इनदिनों दक्षिण कोरिया के साथ अपनी सीमा के पास कई स्थानों पर एक नई दीवार के कुछ हिस्सों का निर्माण कर रहा है, क्योंकि दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है, एक रिपोर्ट में उपग्रह चित्रों का हवाला देकर बताया। चित्रों का विश्लेषण किया, जिसमें दिखाया गया कि विसैन्यीकृत क्षेत्र (डीएमजेड) के अंदर की भूमि को साफ कर दिया गया है, जो कोरिया के बीच 2018 के युद्धविराम समझौतों का उल्लंघन हो सकता है। तस्वीरों में दीवार के कम से कम तीन खंड दिखाई दे रहे हैं, जहाँ सीमा के पूर्वी हिस्से के करीब 1 किमी के क्षेत्र में अवरोध बनाए गए हैं। क्षेत्र में पहले की उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजरी की कमी के कारण निर्माण की सटीक तारीख स्पष्ट नहीं है। सियोल के सैन्य और रक्षा विशेषज्ञ डॉ. यूके यांग ने मीडिया को बताया, मेरा व्यक्तिगत आकलन है कि यह पहली बार है जब उन्होंने स्थानों को एक-दूसरे से अलग करने के अर्थ में अवरोध बनाया है।

दक्षिणी ग्रीस के लतास गांव में जल रही जंगल की आग के बगल में एक स्थानीय निवासी पानी की बोतलें पकड़े हुए।

40 साल में पहली बार.... टाटा स्टील के 1500 कर्मचारी करेंगे हड़ताल

लंदन । टाटा स्टील के ब्रिटेन ऑपरेशन में 2,800 कर्मचारियों की छंटनी होने वाली है। वहीं, ब्रिटेन (यूके) में टाटा स्टील के लगभग 1,500 कर्मचारी 8 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने वाले है। ये हड़ताल वेल्स के पोर्ट टैलबोट और लैनवर्न में स्थित प्लांट्स में कंपनी की 2,800 कर्मचारियों की छंटनी और ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने के विरोध में हो रही है। यूनाइट द यूनियन ने बताया कि 40 सालों में पहली बार है कि ब्रिटेन में स्टील कर्मचारियों ने टाटा स्टील यूके के संचालन को गंभीर रूप से प्रभावित करने के मकसद से हड़ताल की है। यूनियन के सदस्यों ने पहले ही सप्ताह की शुरुआत में नियमानुसार काम करना और ओवरटाइम वैन लगाना शुरू किया था। यूनाइट द यूनियन ने कहा, टाटा के पोर्ट टैलबोट और लानवर्न में स्थित लगभग 1,500 कर्मचारी कंपनी की 2,800 नौकरियों में कटौती और इसके ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने की योजना के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने वाले है। यूनाइट की महासचिव शेरोन ग्राहम ने कहा, टाटा के कर्मचारी केवल अपनी नौकरियों के लिए नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि अपने समुदायों के भविष्य और वेल्स में स्टील इंडस्ट्री के भविष्य के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, जब तक टाटा अपनी विनाशकारी योजनाओं को रोक नहीं देती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। यूनियन का दावा है कि विपक्षी लेबर पार्टी ने मुंबई मुख्यालय वाली स्टील कंपनी से अपनी योजनाओं को रोकने और 4 जुलाई के आम चुनाव के बाद नई चुनी गई सरकार के साथ बातचीत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी ने चुनाव जीतने पर टाटा के साथ आपातकालीन बातचीत को भी प्राथमिकता दी है।

रुस और यूक्रेन की जंग में तैनात सैनिक कर रहे योगा

ओटावा (एजेंसी)। मॉस्को(ईएमएस)। रूस और यूक्रेन की जंग में सीमा पर तैनात यूक्रेन के सैनिक भी योग का सहारा ले रहे हैं। 2 साल से ज्यादा समय से चल रहे इस युद्ध में सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए योग वरदान साबित हो रहा है। सैनिकों का कहना है कि इससे उन्हें जल्दी रिकवरी करने में मदद मिलती है। युद्ध-ग्रस्त यूक्रेन में, योग स्वास्थ्य, रिकवरी और उपचार में एक कारगार उपाय के रूप में देखा जा रहा है। यूक्रेनी योग शिक्षकों की मदद करने के लिए उन्हें ट्रॉमा से निपटने के लिए उपकरण भी दिए जा रहे हैं। इसके लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। फाल्कन फोर्स जैसी यूक्रेनी सेना की कुछ विशेष फोर्स भी योग को अपने प्रशिक्षण में शामिल कर रही हैं।

यूक्रेन में योग को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम चला रही वेलेरिया सम्बोर्स्काया भी इस बात से सहमत हैं। वह कहती है, हमने देखा है कि प्रभावित सैनिक पार्कों के पास जाने से डरते हैं क्योंकि वे फंटलाइन पर वन क्षेत्रों में घायल हो गए थे। लेकिन योग के कुछ सत्रों, विशेष रूप से प्राणायाम के बाद, वे अपने मानसिक ट्रॉमा से उबरने में सक्षम हैं। डेनिसोवा आगे कहती हैं, मैं एक यूक्रेनी के रूप में दुनिया को यह अद्भुत प्राचीन ज्ञान देने के लिए भारत का पर्याप्त धन्यवाद नहीं कर सकती।रिपोर्ट के मुताबिक फियर्स कैलम जैसी चैरिटी सैनिकों के पुनर्वास में योग को शामिल करती है और ट्रॉमा कम करने में भी मदद करती है। यूक्रेनी सैनिक यूक्रेन युद्ध की सीमा पर अपने योग मैट बिछाते हैं और योग का अभ्यास नियमित रूप से करते है। 225वीं सेपरेट असॉल्ट ब्रिगेड के कमांड पोस्ट पर तैनात 37 वर्षीय कमांडर का कहना है कि योग ने उनके जीवन को बदल दिया है। उन्होंने कहा, युद्ध की शुरुआत से पहले, 2014 में, मुझे सेना के अभियानों में शामिल किया गया था और मेरी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई थी। मैंने 2016 में नियमित रूप से योग का अभ्यास करना शुरू किया। युवा कमांडर कहते हैं, मेरी सभी समस्याएं गायब हो गई हैं। योग अब युद्ध में उनकी जिम्मेदारियों को पूरा करने में उनकी मदद करता है। मैं हमेशा आसन और प्राणायाम करने की कोशिश करता हूँ, और हरे कृष्ण महामंत्र पढ़ता हूँ। इससे मुझे अपनी भावनाओं पर बेहतर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। 2021 में यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने योग को बढ़ावा देने के लिए हेल्दी यूक्रेन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। कार्यक्रम के तहत सार्वजनिक पार्कों को फिटनेस क्लब में बदल दिया गया। इसमें ट्रेनर्स निःशुल्क कक्षाएं आयोजित करते हैं। परियोजना में योग को बढ़ावा देने के लिए एलेना साइडर्सका को जिम्मेदारी दी गई है। वह कहती हैं, योग के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया थी। यूक्रेन में योग के जाने माने हस्ती साइडर्सका के पिता एंड्री साइडर्सकाई कहते हैं कि उनके देश में भारतीय योग की जड़ें बहुत पुरानी हैं।

चीन गुप्त रूप से शक्तिशाली हथियार इकट्ठा कर सकता: रिपोर्ट

चीन (एजेंसी)। आधुनिक युद्ध में, हर सैन्य महाशक्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से बढ़त हासिल करने के लिए गुप्त हथियारों की दौड़ में लगी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन गुप्त रूप से एक शक्तिशाली नया हथियार इकट्ठा कर सकता है। एक हालिया रिपोर्ट, जिसका शीर्षक एआई क्षमताओं का ओपन-सोर्स असेसमेंट है, का दावा है कि चीन एआई प्रशिक्षण डेटासेट विकसित करने के लिए अमेरिकी युद्धपोतों की ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस (ओशींट) छवियों का उपयोग कर रहा है। रिपोर्ट में अजीबोगरीब झोउसिदुन डेटासेट को उजागर किया गया है, जिसमें 600 से ज़्यादा तस्वीरें शामिल हैं, जो अमेरिकी आर्ले बर्क-क्लास विध्वंसक और अन्य सहयोगी नौसैनिक जहाजों के अंदरूनी कामकाज का विस्तृत विवरण देती हैं। बीआरएसएल का सुझाव है कि डेटासेट की लक्षित, सैन्य प्रकृति और इस साझा करने वाले खाते की संभावित अकादमिक उत्पत्ति के कारण, यह संभावना है कि यह डेटासेट गलती से प्रकाशित हो गया था।

झोउसिदुन डेटासेट क्या है?

अगस्त 2023 में, बर्कले रिस्क एंड सिक्योरिटी लैब के शोधकर्ताओं ने चीनी मूल के डेटासेट की खोज की जिसका नाम झोउसिदुन है। यह डेटासेट, जिसे संभवतः शंघाईटेक यूनिवर्सिटी द्वारा साझा किया गया था, रोबोफोलो पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया था, जो डेटासेट साझा करने और मशीन लर्निंग मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म है। झोउसिदुन में अमेरिका के डरावने अर्लीघ बुर्क-क्लास विध्वंसक और अन्य सहयोगी नौसैनिक दिग्गजों की शारीरिक रचना को चिकित्सकीय रूप से विघटित करने वाली 608 कसकर केंद्रित छवियां थीं। पूरे जहाज की प्रोफाइल को कैप्चर करने के बजाय, इन भयावह छवियों ने ज़मीनी और उपग्रह दोनों तरह की टोही का उपयोग करते हुए डीडीजी के अत्याधुनिक एजिस लड़ाकू सिस्टम पर जुनूनी ढंग से जूम इन किया।सैन्य क्षमताओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का एकीकरण दुनिया भर में प्रमुख सैन्य शक्तियों के लिए मानक अभ्यास बन गया है। यह समझना कि ये एआई मॉडल कैसे काम करते हैं, रणनीतिक लाभ बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स की वापसी पर संकट, स्पेसक्राफ्ट के लौटने का मिशन स्थगित

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अंतरिक्ष यात्रियों के पहले दल को ले जाने वाले स्टारलाइनर की वापसी को स्थगित कर दिया गया है। नासा ने इसके वापसी की कोई नई तारीख नहीं बताई है, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि मिशन के दो अंतरिक्ष यात्री कब लौटेंगे। टेस्टिंग और तकनीकी मुद्दों के कारण पहले से ही देरी हुई है। अंतरिक्ष यान की वापसी पहले 26 जून को निर्धारित की गई थी। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने 5 जून को उड़ान भरी थी। नासा ने जानकारी दी कि 2019 के बाद से इसे दो बार बिना मनुष्यों के अंतरिक्ष में भेजा गया है। इसके थ्रस्टर्स को पांच विफलताओं और पांच हीलियम रिसाव का सामना करना पड़ा है। नासा और बोइंग को खराबी का सामना करना पड़ा और अतिरिक्त परीक्षण करने पड़े, जिससे यह सवाल उठता है कि वास्तव में स्टारलाइनर अपने चालक दल को कब तक वापस ला सकेगा। इसके आलावा इस अंतरिक्ष यान की कई समस्याएं सामने आई हैं।

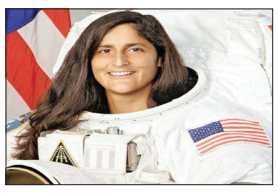

स्टारलाइनर 6 जून को डॉक करने के लिए स्पेस स्टेशन के करीब पहुंचा तो थ्रस्टर फेलियर देखा गया। इस कारण अंतरिक्ष यान स्पेस स्टेशन के करीब तब तक नहीं गया जब तक खराबी ठीक नहीं कर ली गई।स्टारलाइनर को वापस पृथ्वी पर लौटाना अंतरिक्ष यान के परीक्षण मिशन के सबसे जटिल चरणों में से एक है। नासा अधिकारियों का कहना है कि वे स्टारलाइनर की लगभग छह घंटे की वापसी यात्रा शुरू करने से पहले थ्रस्टर फेलियर, वाल्व समस्या और हीलियम रिसाव के कारणों को बेहतर ढंग से समझना चाहते हैं। स्टारलाइनर की वर्तमान उड़ान में केवल एक थ्रस्टर डेड है। बोइंग को 2022 में चालक रहित स्पेस कैप्सूल की वापसी के दौरान चार थ्रस्टर समस्याओं का सामना करना पड़ा था। कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए 4.5 बिलियन डॉलर के नासा डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट के अलावा लागत में वृद्धि पर 1.5 बिलियन डॉलर खर्च किए हैं। नासा चाहता है कि स्टारलाइनर दूसरा अमेरिकी अंतरिक्ष यान बने जो स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन के साथ अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक ले जा सके। बोइंग का स्टारलाइनर कार्यक्रम वर्षों से सॉफ्टवेयर गड़बड़ियों, डिजाइन समस्याओं और उपठेकेदारों के विवाद से जूझ रहा है।

सेना में जाकर लड़ने की चाह भारत-चीन से ज्यादा पाकिस्तानी युवाओं में

-रिपोर्ट से खुलासा-इजराइल, अमेरिका, जापान, ताइवान जैसे देशों में सैनिकों की कमी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। दुनिया के कई ऐसे देश जो युद्ध लड़ रहे हैं या फिर निकट भविष्य में हमले की आशंका के चलते चिंतित हैं। ये देश अपनी सैन्य तकनीक बढ़ा रहे हैं और रक्षा बजट में भी इजाफा कर रहे हैं। इसके बावजूद इनके पास सेना में भर्ती के लिए युवाओं का टोटा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण रूस और यूक्रेन युद्ध है।

दोनों ही देश लड़ने के लिए सैनिकों की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि अमेरिका भी ऐसी समस्या का सामना कर रहा है। अमेरिकी युवा भी सेना में भर्ती होना नहीं चाह रहे हैं। एशिया के देशों को भी पर्याप्त सैनिकों को बनाए रखना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है, हालांकि इस मामले में पाकिस्तान के युवा अलग हैं और फौज में जाने के लिए उत्साहित भी हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल जैसा युद्ध में उलझा देश या लड़ाई की आशंका का सामना कर रहे जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देश भी सैनिकों की कमी का सामना कर रहे हैं। इजरायल की भी प्रतिष्ठा दांव पर है। इजरायल के पास केवल 15,000 सक्रिय लड़ाकू सैनिक हैं। इजरायल इस समय रिजर्विस्टों और रिजर्व ब्रिगेडों पर निर्भर है। इन आरक्षित लोगों में किसान और कर्मचारी हैं।

ताइवान को भी चीनी हमले का डर है लेकिन सैनिक उसके पास नहीं है। ताइवान विदेशी नागरिकों को सेना में भर्ती करने पर विचार कर रहा है। अमेरिका भी गैर-अमेरिकियों को सेना में शामिल होने और नागरिकता के लिए आवेदन करने की अनुमति देता है। दक्षिण कोरिया के सामने भी घटती सैनिकों की संख्या समस्या बन रही है।

जापान की सेना में भी हर साल सेना की भर्ती में कमी आ रही है। पिछले दस सालों में पिछले नवंबर में एसडीएफ के लिए आवेदकों की संख्या में करीब 30 फीसदी की गिरावट आई है। गैलप इंटरनेशनल के 2015 के एक सर्वेक्षण में पाया था कि जापानी अपने देश की खातिर लड़ने के लिए कम इच्छुक थे, केवल 11फीसदी ने ही कहा कि वे ऐसा करेंगे, जबकि दक्षिण कोरिया में 42फीसदी और चीन में 71फीसदी युवा सेना में जाकर लड़ने को तैयार थे। रिपोर्ट कहती है कि सबसे बड़ी सेना वाला देश चीन भी 71 फीसदी युवाओं के सेना में जाकर लड़ने के इच्छुक होने के बावजूद पर्याप्त भर्तियों को आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि गैलप सर्वे में पाकिस्तान के युवा चीन और भारत से आगे हैं। पाकिस्तान के 89 फीसदी युवा सेना में जाकर लड़ने के इच्छुक हैं। भारत के 75 फीसदी और चीन उससे भी कम 71 फीसदी पर है। इस सूची में 94 फीसदी के साथ मोरक्को और फिजी शीर्ष पर हैं।

नौकरों को बंधक बनाने और कम वेतन देने के मामले में हिंदुजा परिवार को साढ़े 4 साल की सजा

जेनिवा (एजेंसी)। दुनिया में गिने चुने अमीरों में शुमार हिंदुजा बंधुओं पर नौकरों को परेशान करने का आरोप लगा है। अपने नौकरों के पासपोर्ट रखकर उन्हे कहीं भी जाने से रोका गया और हर रोज 18 घंटे काम कराया गया। बदले में सिर्फ 655 रुपए दिए गए। मामला कोर्ट में पहुंचा तो स्विस कोर्ट ने हिंदुजा परिवार के चार लोगों प्रकाश और कमल हिंदुजा सहित उनके बेटे अजय और बहू नम्रता को साढ़े चार जेल की सजा सुना दी। भारतीय मूल की हिंदुजा फैमिली को ब्रिटेन के सबसे अमीर परिवार में गिना जाता है। अब इस फैमिली के चार लोगों को स्विट्जरलैंड की कोर्ट ने साढ़े चार साल जेल की सजा सुनाई है। ये सभी धनकुबेर अपने घरेलू नौकरों पर 'अत्याचार' को लेकर मुश्किल में घिरे हैं। इन पर आरोप लगे कि वे भारत से कुछ लोगों को जेनेवा के अपने एक मैंशन में काम करने के लिए लाए थे। स्विस प्रशासन का आरोप है कि हिंदुजा परिवार ने इन लोगों के पासपोर्ट रख लिए थे और इनके कहीं आने-जाने पर पाबंदियां लगा रखी थीं।

इसके साथ ही इन्होंने उन लोगों से ज्यादा देर काम करवाएं और मेहनताने में रोजाना महज 8 डॉलर (करीब 650 रुपये) के हिसाब से पैसे दिए। उधर हिंदुजा परिवार को मिली इस सजा के लिए उनके वकील की दलीलों को भी जिम्मेदार माना जा रहा है, जिन्होंने कम सैलरी के आरोपों को नकारा ही नहीं। ऐसे में स्विस कोर्ट ने हिंदुजा परिवार के चार लोगों प्रकाश और कमल हिंदुजा सहित उनके बेटे अजय और बहू नम्रता को साढ़े चार जेल की सजा सुना दी। इस मामला में स्विस प्रशासन की तरफ से पेश सरकारी वकील ग्वेस बेरतोसा ने कोर्ट में कहा, 'उन्होंने (हिंदुजा परिवार ने) अपने एक कुत्ते पर एक नौकर से ज्यादा खर्च किया।' उन्होंने बताया कि इस परिवार ने अपने एक कुत्ते के रखरखाव और खाने पर सालाना 10 हजार अमेरिकी डॉलर (साढ़े 8 लाख रुपये) खर्च किए, जबकि एक घरेलू नौकर को एक दिन में 18 घंटे काम करने पर रोजाना सिर्फ 7.84 डॉलर यानी केवल 655 रुपये मिले थे। हिंदुजा परिवार के वकीलों ने कम सैलरी होने के आरोपों को नकारा नहीं है, लेकिन कहा है जो वेतन तय था, उसमें रहना और खाना भी शामिल था। वहीं ज्यादा देर तक काम करवाने के आरोपों पर उनके वकील ने कहा कि बच्चों के साथ फिल्म देखने को काम नहीं माना जा सकता है। इन वकीलों ने कोर्ट में दलील दी कि जिन लोगों को पीड़ित बताया जा रहा है, वे लगातार कई मौकों पर हिंदुजा परिवार के लिए काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा, यह इस बात को दर्शाता है कि सभी काम के माहौल से संतुष्ट थे। हालांकि कोर्ट ने इस आरोप को सच पाया कि हिंदुजा परिवार में काम करने वाले नौकरों के पासपोर्ट रख लिए गए थे। ऐसे में वह स्वतंत्र रूप से कहीं आ-जा नहीं सकते थे। हिंदुजा परिवार के लिए यही बात मुश्किल बढ़ाने वाली रही, क्यों स्विस कानून में इसे मानव तस्करी माना जाता है। इसी वजह से हिंदुजा परिवार को साढ़े 4 साल जेल की सजा सुनाई गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरे राज्यों में कांग्रेस का हाथ थामेगी सपा

आगे भी जारी रहेगा गठबंधन

लखनऊ । (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव में विशेषकर उत्तर प्रदेश में भाजपा के विजय रथ पर लगाम लगाने का श्रेय समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को गया है। इन दोनों दलों के गठबंधन ने भाजपा को न सिर्फ अपेक्षित सफलता हासिल करने से रोक दिया बल्कि केन्द्र में बहुमत के आंकड़े से भी बहुत दूर कर दिया। अब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का यह गठबंधन देश के अन्य राज्यों में भी विस्तार लेने वाला है। माना जा रहा है कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा आदि राज्यों में भविष्य में होने वाले चुनावों में समाजवादी पार्टी का साथ निभायेगी। वहीं, उप्र की दस विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भी यह गठबंधन ताल ठोंकेगा।

दरअसल, लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद समाजवादी पार्टी कांग्रेस के सहारे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना चाहती है तो वहीं कांग्रेस देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सपा के कंधों पर चढ़कर अपनी खोयी जमीन को वापस पाना चाहती है। जाहिर है कि दोनों को ही एक-दूसरे की जरुरत है। लोकसभा चुनाव से पहले जब मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा के बीच गठबंधन को लेकर सहमति बनी थी लेकिन तब कांग्रेस नेता कमलनाथ के एक बयान ने दोनों के बीच खटास पैदा कर दी थी। उससे सबक लेकर अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर आने वाली कथित दिक्कतों पर सीधे हस्तक्षेप करेंगे। वहीं राहुल गांधी अखिलेश यादव से सीधे वार्ताकर समस्याओं का हल निकालेंगे। कांग्रेस चाहती है कि सपा के साथ मध्य प्रदेश जैसी तल्खी की स्थिति कहीं न आए और यूपी में जिस गठबंधन के बूते उन्होंने बेहतर परिणाम पाए हैं, उसे बरकरार रखा जाए। ऐसे में महाराष्ट्र और हरियाणा में कांग्रेस सपा को कुछ सीटें देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। महाराष्ट्र में कुछ इलाकों में सपा की इकाई का प्रदर्शन ठीक रहा है। मौजूदा समय में भी उसके दो विधायक महाराष्ट्र के सदन में हैं। इसके अलावा हरियाणा में भी कई सीटों पर यादव मुस्लिम गठजोड़ निर्णायक स्थिति में है। इन सीटों की संख्या तकरीबन दो दर्जन बताई जाती है। कांग्रेस चाहती है कि इस गठबंधन को इन राज्यों में भी विस्तार दिया जाए ताकि जातियों का जो एका लोकसभा चुनावों में तैयार हुआ है, उसे दूसरे राज्यों में भी प्रभावी बनाया जा सके। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि यूपी के दो लड़के हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे-खटाखट खटाखट। राहुल की कही गई इस बात को अब महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनावों में संभावित गठबंधन से जोड़ा जा रहा है।

ऐप्पल वॉच ने बचाई बीजेपी नेता की जान, वॉर्निंग मेसेज भेजा

तुरंत पहुंचे अस्पताल, सर्जरी के बाद अब पूरी तरह स्वस्थ

हैदराबाद। (एजेंसी)

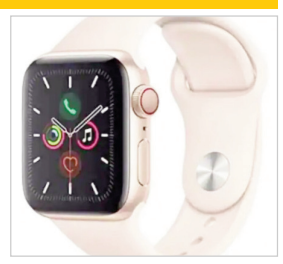

तेलंगाना के बीजेपी नेता को दिल का दौरा पड़ने से पहले ही ऐप्पल वॉच ने अलर्ट कर दिया। ऐप्पल वॉच के अलर्ट को गंभीरता से लेते हुए बीजेपी नेता प्रताप रामकृष्ण जांच के लिए अस्पताल पहुंचे, जहां उनके दिल में दो ब्लॉकेज पाए गए। इसके बाद डॉक्टरों ने तुरंत उनका इलाज शुरु कर दिया और अब वह स्वस्थ हैं।

डॉक्टर्स ने कहा कि अगर वह समय से अस्पताल न पहुंचते तो स्थिति गंभीर हो सकती थीं। उन्होंने जान बचने के बाद ऐप्पल वॉच को धन्यवाद दिया और कहा कि वह अब इसे हमेशा हाथ में पहनकर ही रखेंगे। बीजेपी नेता प्रताप रामकृष्ण अपनी दिनचर्या और स्वास्थ्य पर नज़र रखने के लिए स्मार्टवॉच का इस्तेमाल करते हैं। ऐप्पल वॉच सामान्य स्मार्टवॉच की तुलना में महंगी है, इसलिए इसे इस्तेमाल करने वाले बहुत कम लोग हैं। तेलंगाना के राजन्ना सिरसिला जिले के बीजेपी नेता रामकृष्ण 62 साल के हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब लग रही थी। हल्के काम करने या कम दूरी पैदल चलने के बाद भी अक्सर थकान महसूस होने लगती थी। उन्हें सीने में दर्द हो रहा था, लेकिन उन्होंने सोचा कि वह गैस से पीड़ित हैं। बीते सोमवार को वह रोज की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले और व्यायाम किया। उन्हें अचानक सीने में दर्द का हुआ। उन्होंने जो स्मार्टवॉच पहनी थी, उसने तुरंत एक वॉर्निंग मेसेज भेजा। अपनी स्मार्टवॉच से संदेश देखकर रामकृष्ण वारंगल के एक निजी अस्पताल पहुंचे। जांच के बाद, वहां के डॉक्टरों ने पाया कि हृदय में उनकी दो ब्लॉकेज में खून के थक्के जमे थे। हार्ट में ब्लॉकेज देखने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें हैदराबाद में इलाज कराने का सुझाव दिया। परीक्षण के परिणामों से हैरान रामकृष्ण हैदराबाद गए और उन्हें यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहीं बीजेपी नेता की सर्जरी हुई। अब वह पूरी तरह स्वस्थ्य हैं और उन्हें घर भेज दिया गया है।

जहरीली शराब मामले में मरने वालों की संख्या 55 पहुंची .....मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

चेन्नई । (एजेंसी)

तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब त्रासदी में पुलिस ने एक मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का मानना है कि चिन्नादुरई ने ही करुणापुरम में आसुत शराब की आपूर्ति की थी। बता दें कि अब तक जहरीली शराब के कारण मृतकों की संख्या 55 कर पहुंच गई है। गांव से हर दिन मौतों की खबरें आ रही हैं। इस त्रासदी के बाद से कई मरीजों का इलाज चल रहा है। जिला कलेक्टर प्रशांत एमएस के अनुसार, कल शाम तक, 29 पीड़ितों के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए और उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि तीन प्रभावित लोग ठीक हो गए हैं लेकिन दर्जनों अन्य अभी भी गंभीर हैं। अब तक 185 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। 135 लोगों का इलाज चल रहा है। 30 लोगों की हालत गंभीर है। तमिलनाडु में जहरीली शराब से मौत का सिलसिला 19 जून की दोपहर से शुरू हुआ था। इसमें पहले दिन 34 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें से 24 एक ही गांव करुणापुरम के थे। 20 जून को सभी मृतकों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। 21 जून को मृतकों का आंकड़ा 47 पहुंच गया था। इधर, जहरीली शराब कांड को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को फटकार लगा दी। जस्टिस डी कृष्णकुमार और जस्टिस के कुमारेश बाबू की डिवीजन बेंच ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब राज्य सरकार जहरीली शराब से होने वाली मौतों को रोकने में विफल रही है। कोर्ट ने कहा कि बेंच ने त्रासदी से पहले भी कल्लाकुरिची में बेचे जा रहे अवैध शराब के संबंध में रिपोर्ट पढ़ी थी। यहां तक कि कुछ यूट्यूबर्स ने भी इसके बारे में बात की थी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस लेकर मई में तमिलनाडु सरकार को नोटिस भी जारी किया था। कोर्ट ने कहा कि यह मामला लोगों के जीवन से जुड़ा है। इसलिए अदालत जानना चाहती है कि अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने क्या कार्रवाई की और कितने मामले दर्ज किए गए।

अमरनाथ यात्रा के औपचारिक शुभारंभ पर प्रथम पूजा की गई

- अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होकर 52 दिन तक चलेगी

श्रीनगर । (एजेंसी)

हिंदुओं के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक अमरनाथ गुफा में शनिवार को प्रथम पूजा की गई। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अध्यक्ष तथा जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, आज वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा के औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर प्रथम पूजा की गई। बाबा अमरनाथ जी का आशीर्वाद लिया और सभी लोगों के अच्छे स्वास्थ्य, प्रगति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर ऊपर स्थित गुफा मंदिर की पवित्र तीर्थयात्रा हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक रही है क्योंकि स्थानीय मुसलमान यात्रियों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में मदद करते हैं। एक अन्य बयान में उन्होंने कहा` कि जम्मू-कश्मीर की प्राचीन परंपरा रही है कि सभी समुदायों के लोग इस यात्रा में भाग लेते हैं, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले तीर्थयात्रियों का स्वागत और सेवा करने के लिए एक साथ आएं। यात्रियों के लिए एसएएसबी द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं पर बात करते हुए उपराज्यपाल ने कहा, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड और संबंधित विभागों के अधिकारी तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव उपाय कर रहे हैं कि यात्रा सुचारू, सुरक्षित और परेशानी मुक्त हो। हमने श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इस साल यात्रा 29 जून से शुरू होगी। यह यात्रा 52 दिन तक चलेगी और 19 अगस्त को रक्षाबंधन तथा श्रावणी पूर्णिमा के साथ समाप्त होगी। हर साल लाखों लोग यहां दर्शन करने आते हैं।

स्पीकर पद को लेकर रार: भाजपा नहीं करेगी समझौता,टीडीपी को दे सकती है डिप्टी स्पीकर का पद

नई दिल्ली।

केंद्र की एनडीए सरकार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। भाजपा ने अपना स्पीकर बनाने का निर्णय कर लिया है। बहुत हुआ तो टीडीपी को डिप्टी स्पीकर का पद दिया जा सकता है। जदयू के पास पहले से ही राज्यसभा में उपसभापति का पद है। भाजपा ने लोकसभा में प्रोटेम स्पीकर पद पर भर्तृहरि महताब की नियुक्ति कर साफ कर दिया है कि वह विपक्ष के दबाव में नहीं आएगी। सत्ता पक्ष में सबसे बड़ा दल होने के नाते भाजपा अध्यक्ष पद अपने पास रख सकती है, जबकि उपाध्यक्ष पर सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी को दिए जाने की संभावना है। हालांकि विपक्ष परंपरानुसार उपाध्यक्ष पद के लिए दावा कर रहा है और ऐसा न होने पर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष दोनों पदों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर निर्विरोध निर्वाचन में अड़ंगा डाल सकती है। सत्ता और विपक्ष में टकराव की शुरुआत प्रोटेम स्पीकर को लेकर हो चुकी है। कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ सांसद के सुरेश का नाम आगे बढ़ाया गया था। आठ बार के सांसद सुरेश का वरिष्ठता के लिहाज से दावा भी बनता था, लेकिन सरकार ने सात बार के सांसद भाजपा के भर्तृहरि महताब को इसके लिए चुना क्योंकि वह सात बार लगातार जीते हैं, जबकि सुरेश बीच में दो बार हारे थे। लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या पिछली बार से लगभग दोगुनी हुई है। सरकार द्वारा उसे उपाध्यक्ष न दिए जाने की स्थिति में विपक्ष अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों पर उम्मीदवार उतार सकता है। ऐसे में नई लोकसभा की शुरुआत से ही सरकार और विपक्ष सर्वानुमति की जगह टकराव और बहुमत की ताकत की तरफ बढ़ेंगे। इससे सदन में कई मुद्दों पर टकराव बढ़ने की आशंका है। खासकर संविधान संशोधन जैसे विधेयकों पर जहां दो तिहाई सांसदों का समर्थन जरूरी होता है। ऐसे में कई मुद्दों पर सरकार को विपक्ष के सहयोग के बिना अपना कामकाज निपटाना मुश्किल हो सकता है और कई बार पीछे भी हटाना पड़ सकता है।

विधानसभा चुनाव में कम सीटों पर समझौता नहीं करेगी एनसीपी

-शरद पवार ने बैठक में दिए संकेत, महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज

पुणे। (एजेंसी)

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। लोकसभा चुनाव में सीटों का बंटवारा करने वाली एनसीपी (एसपी) अब अपना पावर दिखा रही है। दरअसल, एनसीपी (एसपी) ने हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सहयोगियों की तुलना में कम सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमति जताई थी, लेकिन विधानसभा चुनावों में उसके सुर बदल गए हैं। पार्टी बैठक में शरद पवार ने संकेत दिए हैं कि वह अब विधानसभा चुनाव में कम सीटों पर समझौता नहीं करेंगे। पार्टी के एक नेता ने शरद पवार के हवाले से कहा कि पवार ने बीते दिन दो बैठकें कीं थी, एक पुणे और जिले के पार्टी पदाधिकारियों के साथ और दूसरी अपने विधायकों और नवनिर्वाचित सांसदों के साथ। पहली बैठक में पुणे एनसीपी (एसपी) प्रमुख प्रशांत जगताप ने कहा कि शरद पवार ने बैठक में कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनावों में कम सीटों पर चुनाव इसलिए लड़ा ताकि यह तय हो सके कि शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के साथ गठबंधन बना रहे। शरद पवार ने संकेत दिया है कि विधानसभा चुनावों में तस्वीर अलग होगी। एनसीपी (एसपी) प्रमुख ने पुणे, बारामती, मावल

और शिरूर लोकसभा क्षेत्रों के विधानसभा क्षेत्रों की स्थिति की भी समीक्षा की। वहीं दूसरी बैठक में शामिल हुए एक पार्टी नेता ने कहा कि शरद पवार ने सांसदों और विधायकों से विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। इस बीच राज्य एनसीपी (एसपी) प्रमुख जयंत पाटिल ने कहा कि पार्टी ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह एमवीए सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान कितनी सीटें मांगेगी। बारामती विधानसभा सीट के उम्मीदवार के बारे में भी अभी फैसला नहीं किया गया है। अभी इस सीट का प्रतिनिधित्व वर्तमान में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार कर रहे हैं।

10 साल की सजा,1 करोड़ का जुर्माना.....

लागू हुआ एंटी पेपर लीक कानून

एक्शन में मोदी सरकार कानून की अधिसूचना जारी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

नीट और यूजीसी-नेट की परीक्षा को लेकर विवाद के बीच केंद्र की मोदी सरकार ने लोक परीक्षा कानून 2024 की अधिसूचना जारी कर दी है। बता दें कि यह कानून फरवरी 2024 में ही पारित हो गया था। परीक्षा में नकल के हथकंडों और पेपर लीक पर शिकंजा कसने के लिए कानून लाया गया है। परीक्षा को निष्पक्ष और सुचारु रूप से कराने के लिए कानून में बेहद कड़े प्रावधान किए गए हैं।

इस कानून का उद्देश्य परीक्षा में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। इसके दायरे में अथॉरिटी द्वारा कराई जाने वाली परीक्षा जैसे यूपीएससी, एसएससी, इंडियन रेलवे, एनटीए द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षाएं और बैंकिंग की परीक्षाएं आएंगी। इस कानून के तहत प्रश्न पत्र या फिर उत्तर का लीक होना शामिल है। इसके अलावा कंप्यूटर नेटवर्क के साथ छेड़खानी करना भी अपराध के दायरे में आता है।

कोई व्यक्ति हो या ग्रुप, परीक्षा में गड़बड़ करने वालों के लिए सजा का प्रावधान है। इस कानून के तहत फेक परीक्षा करवाना भी आता है। अगर कोई व्यक्ति पेपर लीक या फिर नकल करवाने का दोषी मिलाता है, तब उस शख्स को तीन से पांच साल तक की जेल की सजा हो सकती है। वहीं अगर कोई ग्रुप या फिर संगठित तरीके से परीक्षा में गड़बड़ी की जाती है, तब पांच से 10 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपये जुर्माने का प्रावधान है।

ऑर्गानइज्ड पेपर लीक में शामिल लोगों की संपत्ति का भी कुर्क किया जा सकता है। वहीं जो भी परीक्षार्थी नकल करते पकड़े जाएंगे उन्हें परीक्षा से बाहर किया

जाएगा। इस कानून में अनफेयर मीन्स के दायरे में क्वेश्चन पेपर या आंसर लीक करना, परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी की मदद करना, सलूशन उपल्ध करवाना, कंप्यूर रिसोर्सेज से खिलवाड़ करना, किसी अभ्यर्थी की जगह पर दूसरे को परीक्षा दिलवाना, फर्जी दस्तावेज जारी करना और मैरिट लिस्ट से छेड़छाड़ करना शामिल है। इस कानून के तहत अपराध गैरजमानती हैं। इसके अलावा डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस या फिर असिस्टेंट कमिश्नर से नीचे का अधिकारी कानून के तहत जांच नहीं कर सकता है। वहीं केंद्र सरकार किसी भी एजेंसी को जांच सौंप सकती है।

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे को लेकर अभी कुछ बातचीत नहीं : राउत

मुंबई ।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बताया कि साल के अंत में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए महाविकास आघाडी (एमवीए) के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे पर अभी बातचीत शुरू नहीं हुई है और उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्षी गठबंधन में सभी समान हितधारक हैं। राउत ने कहा कि एमवीए ने एकजुट होकर लोकसभा चुनाव लड़ा और दुनिया को दिखा दिया कि कैसे महाराष्ट्र ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्ण बहुमत हासिल करने से रोक दिया। महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी में शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस घटक दल हैं। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में एमवीए ने राज्य की 48 सीट में से 30 सीट पर जीत हासिल की थी। नेता राउत ने कहा, आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर अभी तक न राकांपा (एसपी) और न ही कांग्रेस के साथ बातचीत शुरू हुई है। इसकारण यह सवाल ही नहीं उठता कि कौन कितनी सीट पर चुनाव लड़ेगा। सभी बराबर के हितधारक हैं। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीट हैं। किसी के लिए भी सीट की कमी नहीं होगी। सभी आराम से चुनाव लड़ सकते हैं।'' दरअसल राउत की टिप्पणी उस समय में आई जब राकांपा (एसपी) के नेता ने पार्टी अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के हवाले से कहा कि लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने एमवीए के घटक दलों की तुलना में कम सीट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन विधानसभा चुनाव में स्थिति अलग होगी। राउत ने कहा कि लोकसभा चुनाव में राकांपा (एसपी) ने सबसे ज्यादा सीट जीतीं।

संक्षिप्त समाचार

रील्स बनाने की सनक.....ऊंची बिल्डिंग से लटकी लड़की

-पुलिस ने लिया सख्त एक्शन

पुणे । रील्स बनाने, उसके वीडियो अपलोड करने और रातोंरात स्टार बनने की सनक जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। इनदिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, इसमें देखा जा सकता है कि एक लड़की दोस्त का हाथ पकड़कर ऊंची बिल्डिंग से लटक रही है। इस वीडियो को लेकर अब पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, मामला मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग से दूर नरहे इलाके का है। यहां पर एक सुनसान इमारत की छत पर दो पुरुषों के साथ एक लड़की पहुंची थी। बताया जा रहा है कि ये लोग यहां रील बनाने गए थे। बिल्डिंग की छत पर एक युवक लेटा और उसका हाथ पकड़कर लड़की बिल्डिंग से लटकने लगी। इस दौरान एक अन्य युवक वीडियो बना रहा था। वीडियो बनाने को लेकर लड़की ने खुद की जिंदगी को खतरे में डाला। वीडियो वायरल हुआ तब पुणे शहर की पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि एक पुरुष और एक महिला के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के प्रयास के मामले में कार्रवाई की जा रही है। भारती विद्यापीठ पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि केस दर्ज होने के बाद इसमें अतिरिक्त धारा 308 जोड़ी गई है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी एथलीट हैं। उन्हें पुलिस स्टेशन बुलाकर फटकार लगाने के साथ नोटिस दिया गया। धारा 308 के तहत किसी व्यक्ति को तीन साल तक की सजा हो सकती है।

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने पांच और लोगों को हिरासत में लिया

पटना । नीट पेपर लीक मामले में ईओयू को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। ईओयू ने पेपर लीक कांड से जुड़े शख्स सिंटू कुमार को गिरफ्तार किया है। ईओयू ने सिंटू को देवघर से गिरफ्तार किया है। साथ ही ईओयू चिंटू को गिरफ्तार करने के प्रयास में लगी हुई है। इसके अलावा मामले में अन्य 10 लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। ईओयू ने शुक्रवार देर रात 1 बजे सिंटु को गिरफ्तार किया है। शनिवार को ईओयू सिंटु को पटना लेकर आएगी। सिंटू ने भी पूछताछ करे जाने पर तुरंत ही अपना गुनाह कबूल कर लिया है। रवि अत्री गैंग से प्रश्नपत्र और उत्तर तालिका मिलने की बात भी सिटूं ने स्वीकार की है। रवि अत्री गैंग ने प्रश्नपत्र और आंसर शीट मिलने के बाद व्हॉट्सएप के जरिए अमित आनंद और नीतीश कुमार को ये भेजा था। ईओयू के मुताबिक नीट पेपर लीक मामले में इन दोनों का सीधा कनेक्शन है। पुलिस ने इन दोनों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी शुरू कर दी है। इस मामले में संजीव मुखिया का नाम भी आ रहा है। ईओयू के मुताबिक संजीव नीट पेपर लीक मामले की प्रमुख और अहम कड़ी है। पुलिस संजीव की भी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। ईओयू रैकेट की तह तक पहुंचने की कोशिशों में लगा हुआ है। इसके लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस उस लिंक का भी पता लगाने में लगी है जिसके द्वारा नीट पेपर सॉल्वर गैंग तक पहुंचा जा सके।

कुवैत अग्निकांड के बाद गैरकानूनी रूप से निवास कर रहे 10 गुजराती गिरफ्तार

अहमदाबाद । कुवैत की पुलिस ने उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. पकड़े गए 10 गुजराती कुवैत में अवैध रूप से निवास कर रहे थे. बता दें कि 12 जून को कुवैत की एक इमारत में आग लगने से 50 जितने लोगों की मौत हो गई थी और उसमें 45 भारतीय भी शामिल थे. अग्निकांड के बाद कुवैत पुलिस की जांच तेज हो गई है. जिसमें पता चला कि जिस इमारत में आग लगी थी, उसमें कई लोग गैरकानूनी रूप से रह रहे थे. अवैध रूप से निवास करनेवालों में 10 जितने गुजराती भी शामिल हैं और इन सभी को कुवैत पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. ये सभी लोग मोढ पटेल समाज के हैं. कुवैत में पकड़े गए लोगों में अल्पेश रमणलाल पटेल, हिमांशु रसिकलाल पटेल, बिपिन शिवलाल पटेल, मिलन दिनेशभाई पटेल, निलव अशोक पटेल, ललित देवचंदभाई पटेल, अनिल नारायणदास पटेल, नटवरलाल भीमजीभाई पटेल, बिपिन कोदरभाई पटेल और विवेक खेमजीभाई पटेल शामिल हैं. ये सभी लोग उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के विजयनगर के निवासी हैं. कुवैत में गिरफ्तार किए गए लोगों के परिजन चिंतित हैं और भारत सरकार से पकड़े लोगों को छुड़ाने की मांग है. रमणभाई कुरजीभाई मोढ पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत साबरकांठा की सांसद शोभना बारैया तथा राज्यसभा सांसद रमीला बारा को पत्र लिखकर कुवैत में पकड़े गए लोगों की मुक्त कराने की मांग की है. दूसरी ओर गिरफ्तार किए गए गुजराती लोगों को रिहा कराने के लिए भारतीय दूतावास लगातार प्रयास कर रहा है.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)